साल 7 आपके साथ
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

कुमावत इंडिया

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-8 | अंक-6 जनवरी-2025 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

महाकुंभ 2025

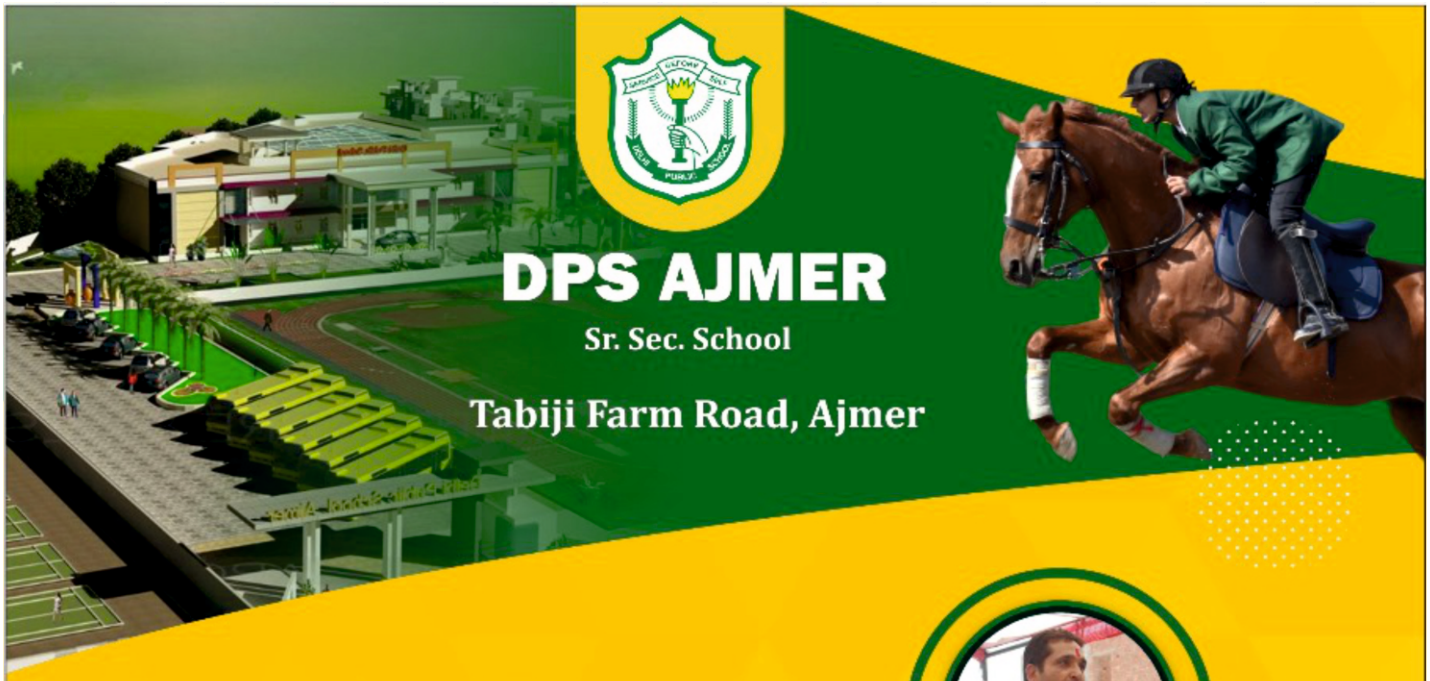

DPS AJMER

Sr. Sec. School

Tabiji Farm Road, Ajmer

ESTABLISHING

The Right Environment

We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.

SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman

Our Activities

Archery & International
Level Shooting Range

Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"

Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level

Skating Rink

Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.

Art & Craft

Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer

Web: www.dpsajmer.in E-Mail: info@dpsajmer.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	मो. 9414810584
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
		चेतन बालोदिया	मो. 9414052736
		मोहन लाल कुमावत	मो. 9887557425
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, **सह-सम्पादक** : रमेश तोंदवाल 9460870125 एवं प्रिया मारवाल 9408093778 तथा मनीष कुमावत 9660702083, रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645 किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, 22 गोदाम, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

13 जनवरी 2025 माघ पूर्णिमा के दिन प्रयागराज में **महाकुम्भ-2025** का आगाज 1.65 करोड़ श्रद्धालुओं के त्रिवेणी के पावन जल में डुबकी के साथ हो चुका है। प्रथम अमृत स्नान मकर संक्रांति में 13 अखाड़ों के साधुओं का स्नान के लिए जाने का भव्य दृश्य तो देखने योग्य था, इस दिन 3.65 करोड़ श्रद्धालुओं ने महाकुम्भ में स्नान का लाभ लिया। 26 फरवरी तक 44 दिन चलने वाले इस महाआयोजन में 40 करोड़ से अधिक हिन्दु श्रद्धा एवं आस्था के साथ महाकुम्भ में आना सम्भावित है। ऐसा माना जा रहा है कि ऐसा शुभ अवसर एवं योग 144 वर्ष बाद आया है। इसके लिए भारतीय रेलवे, उत्तर प्रदेश तथा आसपास के राज्यों की सरकारों ने आवागमन की विशेष व्यवस्था की है। अब तक जो भी महाकुम्भ में गया उसने यहां की व्यवस्थाओं को बहुत ही उम्दा बताया है। तो भला अपने जीवन में दुबारा न आने वाले इस विशाल आयोजन को देखे बिना क्यों रहें।

3 फरवरी 2025 को माँ सरस्वती को समर्पित पावन पर्व **वसंत पंचमी** है, ज्ञान व विद्या की देवी की पूजा इस दिन की जाती है। इस दिन अबूझ सावा है तथा अनेक युवा विवाह बंधन में बंधेंगे और अनेक मांगलिक एवं धार्मिक कार्य होंगे। वहीं वसंत ऋतु में पेड़-पौधों पर नई कोपल आने तथा सुगन्धित पुष्प खिलने से प्रकृति एवं वातावरण भी सुहाना हो जाएगा। आप सभी ऋतुओं के राजा वसंत ऋतु का भरपूर आनन्द लें।

26 जनवरी, 2025 को भारत के गणतंत्र को 75 वर्ष पूर्ण हो जायेंगे। इन 75 वर्षों में भारत का गणतंत्र एवं लोकतंत्र पूर्णत: सफल रहा है। यह हमारे संविधान निर्माताओं की सूझबूझ एवं विद्वत्ता का परिचायक है। जबकि भारत के पड़ौसी देशों में वहां का संविधान एवं लोकतंत्र को अनेक बार विफलता देखनी पड़ी। भारत में समय-समय पर हुए चुनावों ने हमारे लोकतंत्र एवं गणतंत्र को अक्षुण्ण रखा है। भारत किसी अन्य देश के अधीन नहीं है तथा अपने निर्णय स्वयं लेता है। हमारी स्वतंत्र न्यायपालिका ने भी समय-मय पर अपने उत्तरदायित्व का ठीक से निर्वहन किया है। आज भारत महाशक्तियों से आंख से आंख मिलाकर बात करता है तथा भारत के नेतृत्व का विश्व में डंका बज रहा है। भारत विश्व की 5वीं अर्थव्यवस्था बन चुका है तथा वर्ष 2030 तक विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। यह सब कुछ भारत के संविधान की बदोलत सम्भव हो पाया है। आइये, हम सब मिलकर 'भारत माता की जय' बोलें तथा देश के विकास में अपना हरसम्भव योगदान दें। आप सभी को **गणतंत्र दिवस** की हार्दिक शुभकामनाएं। जय भारत!

- रमेश कुमावत (गैदर)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
विशिष्ट संरक्षक : CA डॉ. अनूप कुमावत	4
अद्वितीय एवं भव्य महाकुम्भ पर रिपोर्ट	5
प्रयागराज का अक्षयवट	6
बाबू शोभाराम जी कुमावत की बायोग्राफी जारी...	6
कुंदनपुरा स्कूल में 60 बच्चों को शिक्षण सामग्री व स्वेटर वितरित	6
डॉ. अनूप कुमावत "Young HOD	6
स्वामिनी सेवा संस्था की ओर से रक्तदान व चिकित्सा शिविर का आयोजन	7
मुकेश कुमावत ने जन्मदिन पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका टीम का सम्मान किया	7
उदयपुर में खेल प्रतियोगिता आयोजित	7
कुमावत वरिष्ठ नागरिक ट्रस्ट का स्थापना दिवस	8
विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा का महत्व बताया	8
सामुहिक विवाह	8
जादूगर आंचल का एडवेंचर विद फायर देखकर दर्शक अचंभित	9
सर्वोच्च न्यायालय ने की पिपलांत्री मॉडल की सराहना	9
उदयपुर, कुमावत समाज ने किया प्रतिभाओं का सम्मान	10
ड्रैगन बोर्ड राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीते	10
वसंत ऋतु	11
तिब्बत में भीषण भूकम्प	11
तीर्थराज प्रयाग-महाकुम्भ पर्व की महिमा	12
महाकुंभ प्रयागराज	14
व्यापार-उद्योग में दृष्टिकोण परिवर्तन	14
कुमावत बेलदार संघ, गुजरात का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न	15
कृष्ण कुमार वर्मा सम्मानित	15
हनी कुमावत ने नेशनल में रजत जीता	15
कमलेश कुमावत को रेल सेवा पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया	15
मुकेश कुमावत ने जीती शतरंज प्रतियोगिता	15
वैवाहिक विज्ञापन	16=18
महिला सशक्तिकरण से ही सशक्ति समाज	19
चरण स्पर्श के नियम	20
'न' शब्द की महिमा	20
क्या युवाओं का शादी से मोहभंग हो रहा है ?	21
60 साल पार के लोग- भाग्यशाली	22
जयपुर ज्वैलरी शो जेजेएस -24 में मनमोहक कलाकृतियों ने जमाया रंग	22
खुशी का पैमाना है- आत्म संतुष्टि	23
विशिष्ट संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क करें	26
हेमचंद कुमावत NSUI जयपुर शहर जिला प्रभारी नियुक्त	27
सरला कुमावत भाजपा मंडल अध्यक्ष नियुक्त	27
डॉ. अरविंद को मिला अटल अचीवमेंट अवार्ड	27
किशोर कुमावत को कांस्य पदक	27
खुशबू कुमावत को Ph.D. की उपाधि	27
सलोनी कुमावत को Ph.D. उपाधि	27
राकेश कुमावत संभागीय अध्यक्ष नियुक्त	27
बधाई विज्ञापन	28
अभिषेक के साथ श्री हनुमानजी महाराज को कराया नवीन चोला धारण	29
गरिमा कुमावत को कला रत्न सम्मान	29

विशिष्ट संरक्षक

CA डॉ. अनूप कुमावत

पुत्र श्रीमती लक्ष्मी देवी-श्री घनश्याम कुमावत (भौंरोदिया) निवासी 76, प्रताप नगर, कण्डीरा मार्ग, कालवाड़ रोड, झोटवाड़ा, जयपुर-302012

वर्तमान में डॉ. अनूप कुमावत राजस्थान विश्वविद्यालय में लेखाशास्त्र एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष हैं। ये पाठ्यक्रम डिजाइन करने वाले बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य हैं। श्री अनूप कुमावत ''द इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउन्टेंट ऑफ इंडिया'' के एसोसिएटेड सदस्य हैं। अभी ये स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को अध्ययन व शोध करा रहे हैं।

आपका विवाह श्री मोहन सिंह गढ़वाल एवं श्रीमती शशि गढ़वाल की ज्येष्ठ पुत्री आकांक्षा गढ़वाल के साथ हुआ है, जो M.Com., MBA है तथा जयपुर विद्युत वितरण निगम में क. लेखाकार के पद पर कार्यरत हैं। आपकी दो पुत्रियां मनस्वी तथा भुविका है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपका स्वागत करते हुए आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

वैवाहिक

Dr. Vaibhav Kumawat

Height	:	5'7"
Date of Birth	:	28 May 1996
Education	:	MBBS in 2022 (Currently preparing for NEET PG)
Grand Father	:	Sh. Shankar Lal Kumawat
Father	:	Sh. Kamal Kumawat Astt. General Manager, BSNL
Mother	:	Smt. Lalita Kumawat House Wife
Elder Brother	:	Nitesh Kumawat Probationary Officer in Bank of Baroda
Younger Brother	:	Software Engineer in MNC
Gotra	:	Self- Jayalwal Mother- Kirodiwal Dadi- Kolugaria Nani- Ghodela
Contact Details	:	9413395535 (Father) 9414631395 (Grand Father)

Residence: 69 Mahadev Nagar, Nandpuri, 22 Godam, Hawa Sadak Jaipur

अद्वितीय एवं भव्य महाकुम्भ पर रिपोर्ट

हिन्दुओं का सबसे विशाल धार्मिक समागम कुम्भ माना गया है। इसमें करोड़ों भारतीयों की आस्था व हमारी समृद्ध विविध संस्कृति का विलक्षण संगम है। महाकुम्भ का अमरत्व स्वयंसिद्ध है। कुम्भ स्नान को आये श्रद्धालुओं व साधु संतों को देखकर पूरा विश्व चकित हैं। इस बार तो 144 वर्षों बाद ऐसा शुभ योग एवं अवसर आया जिसने कुम्भ को 'महाकुम्भ' बना दिया। इसमें देश-विदेश से 40 करोड़ लोगों के आने की सम्भावना बतायी गयी है तथा उसी के अनुरूप यहां सारी व्यवस्था की गयी है।

13 जनवरी, 2025 को माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर महाकुम्भ का शुभारम्भ हुआ जिसमें 1.65 करोड़ श्रद्धालुओं ने महाकुम्भ स्नान का लाभ लिया। 14 जनवरी 2025 मकर संक्रांति के दिन त्रिवेणी में कपकंपाती ठण्ड में 3.65 करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगायी। उन्हें न तो यह सर्दी रोक पायी न हाड़कंपा देने वाला ठण्डा पानी। 13 जनवरी की रात से ही साधु-संतों के अखाड़ों में ईष्टदेवों तथा निशान (झण्डों) की पूजा प्रारम्भ हो गयी थी तथा प्रात: 14 जनवरी को शरीर पर भस्म व माथे पर तिलक लगाकार 13 अखाड़ों के साधु-संन्यासियों की शोभायात्रा निकली। इस शोभायात्रा में आगे ध्वज, घोड़ों पर नगाड़ा बजाते साधुओं की पालकिंया निकली, उसके बाद महामण्डलेश्वर और उनके पदाधिकारियों के रथ और पीछे-पीछे तलवार, भाला, गदा, त्रिशुल लिए नागा साधुओं का विशाल समुह दर्शनीय था। लाखों श्रद्धालु इनकी एक छवि पाने के लिए बेताब थे। वे मार्ग के दोनों ओर खड़े थे। अखडावाइज साधुगण 'महादेव', 'सीताराम', 'राधेश्याम' और 'बोले सो निहाल' का जयघोष करते हुए चल रहे थे। आसमान से पुष्पवर्षा ने सारे वातावरण को खुशनुमा बना दिया था। श्रद्धालु साधु-सन्तों की चरण रज को माथे से लगा भाव-विभोर हो रहे थे। जुलूस में सबसे पहले जूना अखाड़े के आचार्य अवशेशानन्द गिरी, निरंजनी अखाड़े के रविन्द्रपुरी चले, वैष्णव अखड़े के वल्लभाचार्य निम्बकाचार्य भी थे। किन्नर अखाड़े को मान्यता प्राप्त नहीं है, अत: वे जूना अखड़े के भाग के रूप में शामिल थे।

आर्य समाज, इस्कॉन तथा पतंजली योगपीठ जैसे 9 धार्मिक संगठन भी कुम्भ में शामिल होते हैं। इस बार किन्नर अखाड़ा भी शामिल है।

एपल कम्पनी के को-फाउण्डर स्टीव जॉब्स की पत्नी लारेन पावेल भी पति के निधन के 12 वर्ष बाद महाकुम्भ में आयी। उनके गुरु स्वामी कैलाशानन्द ने उसे कमला नाम दिया। एक इंजीनियर भी साधु बनकर महाकुम्भ का भाग बना।

इस महाकुम्भ में ऐसे भी साधु आये हैं जिनके प्रण/संकल्प देखकर आश्चर्यचकित हुए बिना नहीं रहा जा सकता—

- सिर पर 45 किग्रा. रूद्राक्ष की मालाएं धारण करके तप करते साधु
- कांटों पर सोने वाले साधु

शेष पृष्ठ 13 पर...

प्रयागराज का अक्षयवट

प्रयागराज में अक्षयवट स्थित है। मान्यता है कि त्रिमूर्ति के शक्तिपुंज से अक्षयवट का निर्माण हुआ था। यह अक्षयवट सतयुग से लेकर अब तक विद्यमान है। अर्थात यह सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और अभी कलयुग में भी है। इसकी जड़े पाताल लोक तक होना माना जाता है। यह 5278 वर्ष पुराना है। ऐसी धारणा है कि समुद्रमंथन से प्राप्त कल्पवृक्ष के एक अंश के रूप में अक्षय वट है। पृथ्वी पर आई प्रलय में भी यह बचा रहा था। पृथ्वी को बचाने के लिए ब्रह्माजी ने अक्षयवट के नीचे यज्ञ किया था। जिसमें विष्णु यजमान तथा शिव देवता के रूप में आये थे। यह मनोरथ वृक्ष (मोक्ष वृक्ष) भी माना जाता है। इसके नीचे सरस्वती नदी बहती है।

अक्षयवट के पास सरस्वती कूप है तथा सरस्वती नदी यहीं से पाताल में मिलती है। कहा जाता है कि जैन संत ऋषभदेव ने भी अक्षयवट के नीचे तपस्या की थी।

भारत में जब से मुस्लिम शासक आये उसके बाद से ही उन्होंने विशेषकर पठानों व मुगलों ने अक्षयवट को काट डालने, जला देने तथा उसमें तेजाब डालकर नष्ट करने का प्रयास किया किन्तु अक्षयवट पुनर्जीवित हो गया। मुगल काल में इसके चारों ओर किला बनाकर बंद कर दिया था जिससे हिन्दु श्रद्धालु उसके दर्शन न कर सकें।

कालान्तर में जो भी श्रद्धालु प्रयागराज जाते हैं वे वहां अक्षयवट के दर्शन मोक्ष की अभिलाषा के साथ करते हैं।

बाबू शोभाराम जी कुमावत की बायोग्राफी जारी...

स्वतंत्रता संग्राम के अमर पुरोधा, मत्स्य संघ के प्रधानमंत्री,

अलवर शहर के दो बार सांसद तथा राजस्थान सरकार में तीन बार मंत्री रहे बाबू शोभाराम जी कुमावत की 111वीं जयंती पर उनकी जीवनी (Biography)का श्री जोराराम जी कुमावत (माननीय पशुपालन मंत्री राजस्थान सरकार) के कर कमलों द्वारा 7 जनवरी 2025 को प्रात: 11.00 बजे, 385-B सिविल लाइन्स जयपुर में जारी की गयी। निर्माता निर्देशक - चिरँजी कुमावत ने बाबू शोभाराम जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया की यह बायोग्राफी भारतीय सिनेमा चैनल पर ऑनलाइन देखी जा सकती है।

इस अवसर पर दीनदयाल किरोडीवाल रोजड़ी, हनुमान धुंधारिया महेशनगर, घनश्याम कुमावत रेनवाल, जगदीश कुमावत, राजेश कुमावत, दांतारामगढ व अनेक गणमान्य समाजबन्धु उपस्थित थे। इस महान नेता की बायोग्राफी बनाने के लिए श्री चिरंजी कुमावत साधुवाद केपात्र हैं।

-निर्माता निर्देशक : चिरँजी कुमावत, 8619666046

कुंदनपुरा स्कूल में 60 बच्चों को शिक्षण सामग्री व स्वेटर वितरित

रेनवाल मांजी के ग्राम पंचायत पहाड़िया के कुंदनपुरा के राजकीय प्राथमिक विद्यालय द्वितीय में प्रधानाध्यापिका ममता मीणा की अध्यक्षता व मुख्य अतिथि **भारती कुमावत**, कर्मचारी नेता लक्ष्मीनारायण मीणा, नानूराम कुमावत के सानिध्य में विद्यालय के विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री के साथ ही ऊनी स्वेटर वितरण किया गया। सुमन शर्मा, कानाराम यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि समाजसेविका भारती कुमावत के सहयोग से विद्यालय के सभी 51 छात्र, छात्राओं व अन्य 9 विद्यार्थियों को ऊनी स्वेटर के साथ में ही आवश्यक शिक्षण सामग्री पेंसिल, रबर, कॉपी के साथ अन्य सामग्री वितरित की गई। स्वेटर मिलते ही विद्यार्थियों के चेहरे पर मुस्कान छा गई। इस दौरान प्रधानाध्यापिका ममता मीणा, सुमन शर्मा, भंवर लाल यादव, कजोड़ गुर्जर, खेमराज कुमावत इत्यादि के साथ ग्रामीण व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

डॉ. अनूप कुमावत "Young HOD of The year 2024" से सम्मानित

डॉ. अनूप कुमावत को जयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में इंस्पिरा रिसर्च एसोसिएशन द्वारा एकेडमिक एक्सीलैंस अवार्ड 2024 के तहत "Young HOD of The year 2024" से सम्मानित किया गया। डॉ. कुमावत राजस्थान विश्वविद्यालय में एबीएसटी. विभाग के विभागाध्यक्ष हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से डॉ. अनूप कुमावत को बधाई।

स्वामिनी सेवा संस्था की ओर से रक्तदान व चिकित्सा शिविर का आयोजन

जयपुर। सोडाला स्थित बंदडेश्वर महादेव मंदिर में संस्था की 8वीं वर्षगांठ के अवसर के विशाल रक्तदान व चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत व पूर्व महापौर मुनेश गुर्जर थी। रक्तदान शिविर में युवाओं व महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया। समिति के गुरूदयाल कुमावत, गोविन्द कुमावत व महेन्द्र कुमावत बताया कि शिविर में 52 रक्तवीरों ने रक्तदान किया। शिविर में विभिन्न प्रकार की जांचें की गई तथा दवाइयों का नि:शुल्क वितरण किया गया। संस्था के अध्यक्ष अशोक कुमावत ने कहा कि हमारा सदैव यह प्रयास रहता है कि समाज के वंचित और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों की सहायता हो सके। इसी प्रयास में इस शिविर का आयोजन किया गया है।

भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत समिति पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि नियमित रूप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है। जो दिल की सेहत के लिए अच्छी है। अनेक बार मरीजों के शरीर में खून की मात्रा इतनी कम हो जाती है कि उन्हें किसी और व्यक्ति से ब्लड लेने की आवश्यकता पड़ जाती है। ऐसी इमरजेंसी स्थिति में खून की आपूर्ति के लिए लोगों को रक्तदान करने के लिए आगे आना चाहिए। पूर्व महापौर मुनेश गुर्जर ने कहा कि बहुत से लोगों को तत्काल रक्त की आवश्यकता होती है और रक्तदान करके हम आसानी से उन्हें जीवनदान दे सकते हैं। यह दुनिया में किसी काम को करके मिलने वाली सबसे बड़ी संतुष्टि में से एक है, जिसे रक्तदान करने वाला ही अनुभव कर सकता है। इसके अलावा रक्तदान करने वाला व्यक्ति समाज में गौरवान्वित स्थान रखता है और दूसरों के लिए प्रेरणा होता है।

इस अवसर पर समाजसेवी नीरज कुमार शर्मा, मनोज खांडल, जयसिंह गुडीवाल, राजेन्द्र सैनी, रूढमल कारगवाल सहित अनेक गणमान्य लोगों ने केक काटकर संस्था के स्वर्णिम आठ वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी।

मुकेश कुमावत ने जन्मदिन पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका टीम का सम्मान किया

5 जनवरी, 2025 को हेरिटेज रिसोर्ट, जयसिंहपुरा, भांकरोटा, जयपुर में 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के व्यवस्थापक मण्डल सदस्य मुकेश कुमावत जो गुंजन इवेन्ट्स तथा महान टेंट हाउस के संचालक हैं ने अपना 51वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया। भक्ति संगीत, भोजन प्रसादी तथा ठाकुरजी की पालकी का कार्यक्रम बहुत ही आकर्षक रहा।

इस अवसर पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से सर्वश्री रामप्रकाश मारोठिया (अध्यक्ष), रामप्रकाश मारवाल (उपाध्यक्ष), श्रीमती भारती तोंदवाल (सचिव), सी.एम. कुमावत (ट्रस्टी एवं प्रकाशक), रमेश गैदर (ट्रस्टी एवं सम्पादक) लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल (कोषाध्यक्ष), खेमचंद खड़गटा (सह-कोषाध्यक्ष) रमेश वर्मा, लक्ष्मी नारायण सिरस्वा आदि ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। श्री मुकेश कुमावत (कारगवाल) ने कुमावत इंडिया पत्रिका टीम का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। इस हेरिटेज रिसोर्ट के मालिक भी स्वयं मुकेश कुमावत है, जिसमें बैंकट हॉल, 10 कमरे, स्वीमिंगपूल आदि की सुविधा है। आभार

उदयपुर में खेल प्रतियोगिता आयोजित

मकर संक्रांति 2025 खेलकूद पखवाड़े के तहत बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ वैकुण्ठ एकेडमी पुलां, उदयपुर में हुआ। पुलां पंचायत अध्यक्ष रमेश भदानिया, महामन्त्री कन्हैयालाल ईठारा एवं कार्यक्रम में पधारे अथिति देवाली पँचायत के अध्यक्ष भागचन्द्र बातरा, सकरामपूरा पँचायत के महामन्त्री कुलदीप जी टाँक, अनूप टाँक मुकुंदपुरा से तनिष्क सलवाडिया धीरज खण्डारिया, पंकज अजमेरा, क्रीतैश खण्डारिया, सूरजपोल से जितेन्द्र नाहर का पुलां आयोजन कमिटी के मोहित रावड़िया, भविष्य गोठवाल, युद्धवीर गोठवल पुलां पँचायत सदस्य राजेश गोठवल दिनेश झालवार, विरेन्द्र गोठवाल ने उपरना ओढ़ाकर सम्मान किया एवं खेल का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक दया शंकर रावड़िया ने बताया कि मकर संक्रांति खेल पखवाड़े के तहत आगामी 5 जनवरी 2025 को सामाजिक ज्ञान प्रतियोगिता, चित्रकला, वॉलीबाल, केरम तथा शतरंज प्रतियोगिताएं आयोजित हुई।

कुमावत वरिष्ठ नागरिक ट्रस्ट का स्थापना दिवस

भवगीत सेवा सदन, सुखेर, उदयपुर में कुमावत वरिष्ठ नागरिक ट्रस्ट का स्थापना दिवस आयोजित किया गया, जिसमें समाज के लगभग 200 सदस्यों द्वारा भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री दुष्यंत लारना द्वारा ईश वंदना से प्रारंभ हुई तथा जिन सदस्यों का विगत माह में जन्म दिवस एवं वैवाहिक वर्षगांठ थी उनका तथा वरिष्ठतम सदस्या 90 वर्षीया श्रीमती अंबाबाई धर्मपत्नी स्व. श्री अंबालाल धनरिया का सम्मान श्री ओमप्रकाश एवं श्रीमती शारदा टांक द्वारा किया गया। श्रीमती पुष्पा टॉक ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के बाद तीन बार से अधिक अयोध्या यात्रा की है उनका सम्मान किया गया तथा 21 बार से अधिक पांच दिवसीय धार्मिक यात्राएं करने वाले श्री प्रकाश एवं श्रीमती मीना जी इंठारा का सम्मान किया गया। भामाशाह श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, निदेशक, ज्योति शिक्षण संस्थान का सम्मान श्री सुखलाल ऊंटवाल, उपाध्यक्ष द्वारा किया गया। कार्यक्रम हेतु भवगीत सदन नि:शुल्क उपलब्ध कराने के लिए पूर्व पार्षद श्रीमती गीता देवी कुमावत का श्रीमती भगवती खंडारिया द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्रीमती नर्मदा देवी इंठारा व उनकी टीम द्वारा **महारास** का आयोजन किया गया, जिसमें कृष्ण लीलाओं का भव्य मंचन किया गया। श्रीमती नर्बदा देवी इंठारा का सम्मान श्रीमती गीता देवी चोरमा द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रीमान गोविंद सिंह जी टांक निवर्तमान महापौर का सम्मान श्री हरिशंकर खण्डारिया, अध्यक्ष द्वारा किया गया। श्री टांक ने संदेश दिया कि समाज में ऐसे आयोजन होते रहना चाहिए जिससे आने वाली पीढ़ी संस्कारवान हो। पूर्व सभापति नगर परिषद उदयपुर श्री युधिष्ठिर कुमावत ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से समाज का संगठन मजबूत होता है तथा भाईचारे की भावना बढ़ती है। ट्रस्ट के अध्यक्ष हरिशंकर खंडारिया द्वारा सभी वरिष्ठ समाजजनों से निवेदन किया कि वह अपने समस्त बैंक खातों डीमैट खातों एवं जीवन बीमा पॉलिसीयों में नॉमिनी अवश्य अंकित करावे तथा अपने जीते जी अपनी संपत्ति अपने जीवनसाथी को वसीयत करें तथा प्रेम-स्नेह के वसीभूत होकर अपने बच्चों को संपत्ति का हस्तांतरण नहीं करें अन्यथा मरणोपरांत जीवनसाथी संपत्ति के अभाव में तिल-तिल कर हर रोज मरेगा। अत: अपनी संपत्ति पहले जीवनसाथी को तथा जीवनसाथी के नहीं होने पर उस संतान को जो आपकी सेवा करें उसको ही संपत्ति की वसीयत करें। प्रोफेसर डॉक्टर जमनालाल कुमावत का आगरा में आयोजित ब्रेस्ट कैंसर के राष्ट्रीय सेमिनार में अपने शोध-पत्र वाचन पर राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर उन्हे सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री हिम्मत सिंह मानणिया के द्वारा किया गया तथा शंकर लाल जी भदाणिया, मंत्री द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा का महत्व बताया

रामपुरा डाबडी। स्कूल भट्टों की गली में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन स्कूल निदेशक डीडी कुमावत की अध्यक्षता में हुआ। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा का महत्व है। इसके चलते लोगों की जान बचती है, दुर्घटनाओं में कमी आती है और सड़क पर चलने वाले वाहन चालकों व आमजन के लिए यह दुर्घटनाओं आदि में बचाव है। सड़क सुरक्षा से लोगों को सिखाया जाता है कि वाहन चलाते समय किन-किन बातों का ध्यान रखा जाता है।

विद्यालय प्रिंसिपल अनीता चेजारा ने बताया कि सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत आधुनिक भारत में सड़क सुरक्षा एक चुनौती में कार्यक्रम के तहत सड़क सुरक्षा पोस्टर प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान निखिल कुमावत व नव्या कुमावत ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में अध्यापिका मोनिका कुमावत, आशा कुमावत, पूनम प्रजापत, काजल अग्रवाल, संतोष शर्मा, नम्रता पारीक, चंपा चौधरी, शर्मिला शर्मा, रामावतार कुमावत आदि उपस्थित थे।

सामुहिक विवाह

श्री क्षत्रिय कुमावत समाज सामूहिक विवाह एवं विकास समिति रजि., त्रिवेणीधाम, शाहपुरा जिला जयपुर का 16 वां सामुहिक विवाह 6 अप्रैल रामनवमी को होने जा रहा है। विवाह के लिए पंजिकरण 30 दिसंबर से शुरू हो गया है। -अध्यक्ष, अशोक मारवाल, पावटा एवं त्रिवेणीधाम, शाहपुरा जिला जयपुर।

श्री कुमावत क्षत्रिय सामुहिक विवाह समिति, जयपुर द्वारा 33 वें सामुहिक विवाह सम्मेलन 4 फरवरी 2025 सूरज सप्तमी पर कुमावत छात्रावास, गोविंदम टावर के पास जयपुर में रखा जा रहा है।

श्री क्षत्रिय कुमावत समाज कल्याण संस्थान, दहमी कलां बालाजी, अजमेर रोड, जयपुर में वसंत पंचमी 2 फरवरी, 2025 को 7वां सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

जादूगर आंचल का एडवेंचर विद फायर देखकर दर्शक अचंभित

उदयपुर। वन, टू, थ्री और आंचल मात्र तीन सेकण्ड में आग से धधकते बाड़े में से बाहर निकल आई। सांस रोक देने वाले इस एडवेंचर विद फायर कार्यक्रम के मंजूर देखने गांधी ग्राउण्ड में तीन घण्टे से एकत्रित बड़ी संख्या में भीड़ के लिये यह हैरतअंगेज करतब अचम्भित, अकल्पनीय से कम नहीं था।

प्रारम्भ में कार्यक्रम संयोजक एवं समाजसेवी डॉ जिनेन्द्र शास्त्री ने अतिथियों का स्वागत कर बताया जादूगर आंचल ने इस कार्यक्रम के तहत 150 फीट लम्बी लोहे की जंजीर, 131 तालों से स्वयं को एक बक्से में स्वयं को बांधा। बक्से को शाम 7 बजकर 17 मिनिट चारे के बाड़े में उतारा और कार्यक्रम संचालन कर रहे जादूगर राजकुमार द्वारा वन, टू, थ्री बोलते ही आंचल उस धधकते बाड़े से बाहर आ गई। उसके बाहर आते ही गांधी ग्राउण्ड दर्शकों की तालियों से गूंज उठा। सह संयोजिका किरण जैन ने बताया आंचल का यह देश में तीसरा और उदयपुर में पहला शो था। आंचल को जंजीरों से बांधने से पूर्व जंजीर व तालों का कुल वजन 80 किलो था। आंचल ने बताया उनका यह शो मनोरंजन नहीं वरन् युवाओं को जीवन में तनाव से मुक्त रहने का संदेश देना था। शो से पूर्व आंचल ने अपने पिता गिरधारीलाल कुमावत से आशीर्वाद लिया। प्रचार संयोजक अनिल चतुर्वेदी ने बताया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्यराजसिंह मेवाड़, निवृत्तिकुमारी मेवाड़, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल, डॉ श्याम एस सिंघवी, स्नेहदीप भाणावत, हंसराज चौधरी, भूपेन्द्र श्रीमाली, विश्व हिन्दी साहित्य परिषद के कुलपति डॉ एचएस गणेशिया, सुरभि अनीश धींग, डॉ सीमा जैन, रजनी डांगी, वदंना वजेरानी, युधिष्ठिर कुमावत, विभाग प्रचारक धनराज, राकेश पोरवाल, नरेंद्र जैन, श्वेता जैन, महंत इंद्रदेव दास महाराज, आशा पण्ड्या, हंसराज चौधरी आदि मौजूद थे।

इस एडवेंचर के कारण जादूगर आंचल का नाम ''लंदन बुक ऑफ विश्व रिकॉर्ड'' में दर्ज हुआ है तथा मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने अपने कर कमलों से यह प्रमाण पत्र जादूकर आंचल कुमावत को सौंपकर गौरव बढ़ाया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने की पिपलांत्री मॉडल की सराहना

बेटी के जन्म पर पिपलांत्री में 111 पौधे लगाने की है परंपरा

पर्यावरण सरंक्षण व बेटी बचाओं के लिए देश दुनिया में पर्यावरण और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए चर्चित पिपलांत्री मॉडल की सर्वोच्च न्यायालय ने सराहना की। गौरतलब है कि पिपलांत्री में बेटियों के जन्म के अवसर पर परिवार द्वारा 111 पौधे लगाए जाते हैं वहीं सामाजिक सुरक्षा के लिए पंचायत की ओर से बेटियों के नाम पर सावधी जमा योजना में एफडी करवाई जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में इस मॉडल को लागू करने की बात कही। राजस्थान सरकार को इस मुद्दे को देखने के लिए एक पांच सदस्यीय समिति बनाने के निर्देश दिए।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बी आर गवई, जस्टिस एसवीएन भट्टी और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने राजस्थान में पवित्र वनों की सुरक्षा के बारे में अपना फैसला सुनाया था। पिपलांत्री पहल न केवल पारिस्थितिकी बहाली में योगदान देती है, बल्कि प्रत्येक नवजात लड़की के नाम पर की गई सावधि जमा के माध्यम से वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करके महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देती है। इन पेड़ों की बेटी और उसका परिवार ना सिर्फ देखभाल करता है बल्कि अपने परिवार का सदस्य मानकर राखी बांधकर दुनिया को बेटी, जल, जंगल और पर्यावरण बचाने का संदेश देता है। वहीं बेटी के नाम से एफडी की जाती है, जो 18 साल बाद परिपक्व होने पर उसे दी जाती है।

रक्षा बंधन पर होता है राखी उत्सव

जिले के पिपलांत्री पंचायत में जन्म लेने वाली बेटियां पेड़ों को भाई मानती हैं और रक्षाबंधन के पहले पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधकर उनके संरक्षण का संकल्प लेती है। 20 साल पहले चारों तरफ मार्बल खदानों से गिरा पिपलांत्री गांव बंजर था, लेकिन तत्कालीन सरपंच श्याम सुंदर पालीवाल का पर्यावरण के प्रति लगाव पिपलांत्री गांव को हरा भरा कर दिया। इस सराहनीय कार्य के लिए तत्कालीन सरपंच श्याम सुंदर पालीवाल को केन्द्र सरकार द्वारा पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया था। साथ कई अन्य सम्मान भी उन्हें मिल चुके हैं।

पिछले करीब 20 वर्ष से हो रहे महोत्सव में विगत वर्ष में जन्म लेने वाले शिशुओं के नाम पर एक पौधा लगाया एवं बेटियों के प्रति सम्मान भाव का सन्देश दिया जाता है। इसी के साथ यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को वहां पर **एक पेड़ बेटी के नाम** लगाने एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया जाता है। पिपलांत्री पर्यावरण महोत्सव देश में ही नहीं बल्कि समूचे विश्व में अनूठी मिसाल बन चुका है।

उदयपुर, कुमावत समाज ने किया प्रतिभाओं का सम्मान, 45 होनहारों को मिला प्रोत्साहन

कुमावत समाज, उदयपुर नगर की प्रतिभा सम्मान समिति द्वारा 25 दिसंबर 2024 को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस भव्य आयोजन में समाज की शिक्षा, खेलकूद, और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

समारोह का शुभारंभ माँ सरस्वती की वंदना और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। समारोह के मंच संचालन की जिम्मेदारी डॉ. आरती कुमावत ने कुशलता पूर्वक निभाई।

अतिथिगण की गरिमामयी उपस्थिति : इस आयोजन में समाज के प्रमुख व्यक्तित्वों ने अपनी उपस्थिति से इसे गरिमामयी बनाया:

संरक्षक: श्री गोविंद सिंह टाँक (पूर्व महापौर, उदयपुर), मुख्य अतिथि: श्रीमती पूजा गोठवाल (आर.ए.एस., लेखाधिकारी, नाथद्वारा मंदिर मंडल ट्रस्ट), समिति अध्यक्ष: श्री हरीश कुमावत, कुमावत ट्रस्ट प्रतिनिधि: डॉ. जगदीश साडीवाल, प्रतिभा अध्यक्ष: डॉ. सुलोचना कुमावत तथा संयोजक: श्री जी.एल. कुमावत

विशिष्ट पहल : समिति संयोजक श्री जी.एल. कुमावत ने बताया कि इस समारोह का उद्देश्य समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहन और प्रेरणा प्रदान करना है। साथ ही कार्यक्रम का परिचय देते हुए बताया की यह कार्यक्रम संस्था में 1997 से लगातार 25 दिसम्बर को आयोजित होता आ रहा है।

सम्मानित प्रतिभाएं: 1. कक्षा 10वीं और 12वीं के टॉपर्स: श्री जितेन्द्र जी तुनीवाल द्वारा अंशुल स्मृति में प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए। श्री अनन्तराम जी झालवार चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से 4 विद्यार्थियों को रु. 2500/- की नकद राशि दी गई।

2. होनहार 45 प्रतिभाओं का सम्मान: सैकंडरी, सीनियर सैकंडरी, स्नातक, और उच्च शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

3. राजकीय सेवाओं में नव-नियुक्त : 2 युवाओं को उनके प्रेरणादायक योगदान के लिए विशेष सम्मान दिया।

4. सेवानिवृत्त 04 समाजबंधु : सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में समाज के वरिष्ठ सदस्यों को शाल, उपरना और श्रीनाथ जी की तस्वीर देकर सम्मानित किया गया।

5. महिला सशक्तिकरण के लिए प्रयास: कुमावत ट्रस्ट द्वारा 8 तलाकशुदा और विधवा महिलाओं को रु. 7000/- की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

साहित्यिक योगदान का सम्मान: समाज के उन लेखकों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिनकी पुस्तकें वर्ष 2024 में प्रकाशित हुई थीं।

समारोह में वरिष्ठजनों की उपस्थिति : कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें श्री नंद लाल जी बाबरिया, श्री भगवान जी सदुंडिया, श्री महेंद्र जी टांक, श्री जितेंद्र जी आर्य, श्री पन्ना लाल जी सारिया, श्री मनीष जी कुमावत, श्री अरुण जी अजमेरा, श्रीमती मधु जी कुमावत, श्रीमती ललिता जी अजमेरा, श्री पंकज जी झालवार, और श्री गोपाल लाल जी सदुंडिया आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संदेश और समापन : समारोह का समापन राष्ट्रगान और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

डॉ. रजनीश कुमावत ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए समाज की प्रगति और एकता पर जोर दिया। यह आयोजन समाज की एकता, समर्पण और शिक्षा के प्रति जागरूकता का प्रतीक बनकर उभरा। प्रतिभा सम्मान समारोह ने समाज के युवाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचने और अपने समाज का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

''प्रतिभा का सम्मान समाज को नई दिशा देता है। यह पहल हमारी संस्कृति और एकता का प्रतीक है। आइए, हम सभी मिलकर समाज की प्रगति के लिए कार्य करें।''

जी.एल कुमावत, संयोजक,
प्रतिभा सम्मान समारोह समिति, उदयपुर

ड्रैगन बोर्ड राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीते

दिल्ली में ड्रैगन बोर्ड की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कुमावत समाज उदयपुर के भी चार बच्चों ने राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व किया और कांस्य पदक जीता:

सक्षम गोठवाल पुत्र मुकेश गोठवाल, कनिष्का कुमावत पुत्री प्रमोद कुमावत, शगुन कुमावत पुत्री सुनील गोठवाल तथा चार्वी कुमावत पुत्री कीर्तेश कुमावत।

इन सभी को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामना।

वसंत ऋतु

फिर से वसंत ऋतु आ गई है। यह अलग बात है कि वह आसपास पहले जैसी दिखती नहीं है। पहले की तरह कलियां, तितलियां, बहुतायत में आम्र मंजरियां कहां दिखती हैं! फुदकती गौरैया कहां दिखती हैं। खासतौर से जो महानगरों, शहरों में बहुमंजिली इमारतों से घिरे हुए रहते हैं, उन्हें कहां सुनाई पड़ती है कोयल की बोली! वे गाड़ियों और उनके शोर से घिरे रहते हैं। उन्हें वसंत ऋतु कहां दिखती है, दिखती हैं गाड़ियों की कतारें, दिखते हैं दोपहिया, बसें, होर्डिंग्स, तरह-तरह के विज्ञापन। वर्तमान युग में वसंत ऋतु दुबकी हुई ही मिलती है। पर उसको आना है, आती ही है। हमें दिखाई पड़े या न दिखाई पड़े।

जो इसे देखना चाहते हैं, देख ही लेते हैं, महसूस कर लेते हैं, कुछ तो फूलों-पत्तियों में, आकाशी रंगों में, पवन में, बयार में, आसपास के गमलों में भी दिखती है फूलों की बहार में। **जिन खोजा तिन पाइयां।** हां, निराश होने की जरूरत नहीं है। बनन में, बागन में, बगरो वसंत है-पद्माकर की तर्ज पर देखें, तो शहरी पार्कों में फूलों के भांति-भांति के रंग दिखते हैं! महसूस होता है बाग-बगियों में कोयल व गीत, गौरया की चहक, मादक बहार, खेतों में सरसों का संगीत, मस्त मौसम की मृदंग, उल्लास व प्रेम की भाषा अमरूद जैसे अपने फलों पर मंडराते हैं तोते आदि।

बहुत पहले कवि सोहनलाल द्विवेदी ने वसंती पवन शीर्षक कविता में ये पंक्तियां लिखी थीं- जब करने को मैं चला भ्रमण, तब मिली आज कुछ नई पवन। भीनी-भीनी इसकी सुगंध। जिससे भौंरे बन जाएं अंध। यह पवन भरी थी मधुर गंध। तन हुआ मगन, मन हुआ मगन, जब मिली सुगंधित नई पवन। कुछ कुछ ऐसा तब हुआ भान-इसमें सुगंध भी भांत-भांत। आसान न सब जानना बात। बस मीठा था दिसि का कण-कण। यों मिली अनोखी सुखद पवन।

जोशना बनर्जी आडवाणी ने एक कविता में लिखा है-**एक लीला रचने आते हैं दिन रात।** बहुत पहले महादेवी वर्मा ने लिखी थीं ये पंक्तियां-**पुलकती आ वसंत रजनी।** यह न भूलें कि कविता भी, किसी भी भाषा, किसी भी देश-समाज की कविता बहुत कुछ बचाकर रखती है अपने समाज, अपने अंचल और अपने देश की बातें। और उनके उच्चारण मात्र से फिर से सृजित हो जाती है कोई ऋतु, कोई वनस्पति, कोई लीला। सो याद है कि हमारे समय के अप्रतिम चित्रकार, कवि, कला-चिंतक जगदीश स्वामीनाथन कभी-कभी सहसा ही मित्रों के बीच बैठे हुए पाठ-सा करने लगते थे-**महादेवी की इस कविता का-पुलकती आ वसंत रजनी-तारों मय नव वेणी बंधन...फूल शीश यह शशि का नूतन...।**

और महादेवी ने ही अपनी एक अन्य वसंत कविता में लिखा है-देव! आज वसंत। में हो राग-उन्मद। बोलता है पिक सुनो। टुक यह मधुर स्वर, और प्रतिध्वनि सी। उसी की जान पड़ता। दूसरे पिक का 'कुहू' में दिया उत्तर।

फिर वसंत ऋतु की एक तिथि भी तो है-**वसंत पंचमी** और उस अवसर पर होने वाली सरस्वती पूजा-अर्चना-वंदना। स्कूलों में भी मनाई जाती है वसंत पंचमी। इसी बहाने मोबाइल युग के बच्चों तक भी कुछ तो खबर पहुंचती है वसंत-श्री की, वसंत ऋतु की।

हमारे देश में हमारी भाषाओं में बहुत हुआ है वसंत का गुणगान। वसंत के वृक्ष शृंखला की संस्कृत कविताओं में से यह कविता देखिए-आम का वृक्ष हो गया युवा। क्रीड़ा करते चंचल भ्रमर टूट पड़ते हैं उस पर। उनके भार से टूटते हैं उसके अंकुर। टूटने से अंकुरों का रस बह उठता है। बहकर सींच देता है समीर को। समीर भर जाता है सौरभ से। उसको सटकाता है यह आम का वृक्ष। और फिर भी यह होता जाता है अविचल मुकुलित। बांटता हुआ उन्माद। आम का यह युवा वृक्ष। -अज्ञात (श्रीधर दासकृत सदुक्ति कर्णामृत)

पर इस मोबाइल युग में तो फेसबुक पर ही ज्यादातर ली-दी जाती हैं वसंत पंचमी की शुभकामनाएं। भारतीय संस्कृति के अनुसार तो यह त्यौहार व संस्कार है। यह दिन माँ सरस्वती का प्राकट्य दिवस है। उनकी पूजा व गुणगान तो होता है साथ ही शिशुओं को अक्षरज्ञान (विद्या आरम्भ) सिखाया जाता है।

वसंत का महत्व हमें भगवद्गीता में मिलता हैं, कृष्ण कहते हैं कि ऋतुओं में मैं बसंत हूँ। अर्थात सभी ऋतुओं में वसंत ऋतु श्रेष्ठ है। यह ऋतु हमारी भारतीय संस्कृति का सम्मान भी है और अध्यात्मक अनुष्ठान भी। आईये, हम सभी वसंत ऋतु का जी भर कर आनन्द लें।

- रमेश गैदर

तिब्बत में भीषण भूकम्प

7 जनवरी, 2025 को सुबह चीन के तिब्बत प्रांत में रिक्टर स्केल 7.1 तीव्रता का भूकम्प आया जिसमें 126 मरे व 188 घायल हुए। इस भूकम्प के झटके नेपाल, भूटान, सिक्कम और उत्तराखण्ड तक महसूस किये गये। तिब्बत में 1000 से ज्यादा घरों को नुकसान हुआ व दीवारें गिरने से वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए। वहां इन्फ्रास्ट्रक्चर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है। बिजली-पानी सप्लाई बाधित हुई है तथा चीन ने माउन्ट एवरेस्ट के क्षेत्रों का पर्यटकों के लिए बंद कर दिया है। वहां पर लेबल-3 इमरजेन्सी घोषित की गई है। चीनी वायुसेना को भी मदद में जुटना पड़ा।

तीर्थराज प्रयाग-महाकुम्भ पर्व की महिमा

-प्रो. बी.के. कुमावत

जब अमृत कुम्भ समुद्र-मंथन से निकला तभी से अमृत कुम्भ महापर्व का शुभारम्भ हुआ था। पुराणों में कुम्भ का सन्दर्भ मिलता है। भगवान् धन्वन्तरि समुद्र-मंथन के दौरान अमृत कुम्भ लेकर प्रकट हुए थे। देवता-दानवों में होड़ मच गई कि पहले अमृत कौन प्राप्त करेगा। अमृत को दानवों से बचाने के लिये देवराज इन्द्र के पुत्र जयन्त को भगवान् विष्णु ने यह संकेत दिया कि वे वह कुम्भ लेकर चले जाएं। तदनुसार, जयन्त सबकी नजर बचाकर अमृत कुम्भ लेकर देवलोक की ओर उड़ चले। किन्तु दानवों के गुरु शुक्राचार्य ने उन्हें देख लिया। देखते-देखते देव-दानव युद्ध आरम्भ हो गया और अन्ततोगत्वा अमृत कुम्भ बचाने में देवताओं को सफलता मिली। इस आकाशीय युद्ध के दौरान अमृत कलश से देवलोक में 8 और पृथ्वी लोक में 4 बूंदें छलक पड़ीं। पृथ्वीलोक में 4 अमृत बूंदें क्रमश: **प्रयाग** और **हरिद्वार** में बहने वाली गंगा नदी में, **उज्जैन** की शिप्रा नदी में और **नासिक** की गोदावरी नदी में गिरी। कहते हैं कि तभी से इन चारों पवित्र स्थानों में अमृत-कुम्भ जागृत करने की परम्परा का शुभारम्भ हुआ। उल्लेख है कि यह देव-दानव युद्ध 12 मानवीय वर्षों तक जारी रहा। इसी कारण इन नदियों के तटों पर हर 12 वर्षों के अन्तराल पर कुम्भ पर्व आयोजित करने की परम्परा स्थापित हुई। ऋग्वेद में कुम्भ का वर्णन मिलता है और यजुर्वेद में कुम्भ के लिये प्रार्थना का उल्लेख मिलता है। वैदिक काल में धार्मिक-सामाजिक उत्सवों को 'समन' के नाम से जाना जाता था जो एक प्रकार से मेलों का ही स्वरूप माना जाता था। इन मेलों में हजारों की संख्या में लोग आते, यज्ञ हवन करते, स्नान-ध्यान करते तथा देव-दर्शन करते थे। ये लोग कल्पवास भी इन पवित्र स्थानों पर करते थे। सभी स्थानों के साधु-सन्त भी आते थे। प्रयाग तथा हरिद्वार में अर्द्धकुम्भ (छ: वर्षों के अन्तराल पर) भी आयोजित होते हैं।

ध्यान रहे समुद्र-मंथन से 14 रत्न मिले थे- 1. कालकूट विष, 2. कामधेनु, 3. उच्चैश्रवाअश्व, 4. ऐरावत हाथी, 5. कौस्तुभ मणि, 6. कल्पवृक्ष, 7. अप्सराएँ, 8. लक्ष्मी, 9. वारुणी, 10. चन्द्रमा, 11. शंख, 12. शार्ङ्ग धनुष, 13. धन्वन्तरि, 14. अमृत।

भारत की स्वतंत्रता के अमृतकाल में तीर्थराज प्रयाग में महाकुम्भ पर्व-2025 का आयोजन सनातन संस्कृति के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा जिसमें लगभग 45 करोड़ लोगों को (संयुक्त राज्य अमेरिका की कुल जनसंख्या के डेढ़ गुना) त्रिवेणी-संगम में स्नान-पूजन-दर्शन का लाभ प्राप्त होगा। अर्थात गंगा-यमुना-सरस्वती पावन नदियों के संगम स्थल पर पुण्य लाभ का अवसर मिलेगा। वे यहाँ शीत में कल्पवास करेंगे, पर्व स्नान करेंगे एवं अक्षयवट का दर्शन करेंगे। प्रत्येक 12 वर्षों में यह आयोजन होता है किन्तु स्वतंत्रता के अमृतकाल में होने वाला यह अनुष्ठान विशेष महत्व का है। इसका महत्व इसलिए और भी बढ़ जाता है कि यह प्रथम महाकुम्भ है जब श्रीरामलला अपनी जन्मस्थली पर नवनिर्मित भव्य मन्दिर में विराजमान हैं। यह महाकुम्भ पर्व हमारे महान् राष्ट्र की अखण्डता, सम्प्रभुता, शौर्य, समृद्धि को रेखांकित करता है। त्रिवेणी के जिस तट पर वह महाकुम्भ आयोजित हो रहा है, उसी तट पर **त्रेतायुग में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम** ने लोकमंगल हेतु अपनी वन-लीला का स्वस्तिवाचन किया-

को कहि सकइ प्रयाग प्रभाऊ। कलुष पुंज कुंजर मृगराऊ।।
अस तीरथमति देखि सुहावा। सुख सागर रघुबर सुखु पावा।।
कहि सिय लखनहि सखहि सुनाई। श्रीमुख तीरथराज बढ़ाई।।
करि प्रनामु देखत बन बागा। कहत महातम अतिअनुरागा।।
एहि बिधि आइ बिलोकी बेनी। सुमिरत सकल सुमंगल देनी।।
मुदित नहाइ कीन्हि सिव सेवा। पूजि जथाविधि तीरथ देवा।।

(रा.च.मा. 2/106)

अर्थात् पापों के समूह रूपी हाथी को मारने के लिये सिंहरूप प्रयागराज का प्रभाव (महत्त्व या महात्म्य) कौन कह सकता है। ऐसे सुहावने तीर्थराज का दर्शन कर सुख के समुद्र रघुकुल श्रेष्ठ श्रीरामजी ने सुख पाया। उन्होंने अपने श्रीमुख से सीताजी, लक्ष्मणजी और सखा गुह को तीर्थराज की महिमा कह कर सुनायी। तदनन्तर प्रणाम करके वन और बगीचों को देखते हुए और बड़े प्रेम से महात्म्य का बखान करते हुए श्रीरामजी ने आकर त्रिवेणी का दर्शन किया, जो स्मरण करते ही सब सुन्दर मंगलों को देने वाली है। फिर आनन्दपूर्वक त्रिवेणी में स्नान करके शिवजी की सेवा (पूजा) की और विधिपूर्वक तीर्थ देवताओं का पूजन किया।

गोस्वामी तुलसीदासजी ने **श्रीरामचरितमानस** में लिखा है कि माघ महीने में जब सूर्य मकर राशि को प्राप्त होते हैं, तब प्रयागराज में देवता, दैत्य, किन्नर और मनुष्य आदि सब कोई झुण्ड के झुण्ड आते हैं और सभी आदरपूर्वक त्रिवेणीजी में स्नान करते हैं, वेणीमाधवजी के चरण कमलों की पूजा करते हैं और अक्षयवट का स्पर्श करके उनके सब अंग पुलकित होते हैं।

माघ मकरगत रबि जब होई। तीरथपतिहि आव सब कोई।।
देव दनुज किन्नर नर श्रेनी। सादर मज्जहिं सकल त्रिबेनी।।
पूजहिं माधव पद जलजाता। परसि अखयबटु हरषहिं गाता।।

(रा.च.मा. 1/44)

माधव भगवान् की पूजा की विशेषता इस कारण है कि वे माघ के स्वामी हैं। विनायकी टीका में उल्लेख है कि द्वादश महीने के महात्म्य में परमेश्वर अलग-अलग माह में एक-एक नाम से पूजे जाते हैं- जैसे अगहन में केशव, पौष में नारायण, माघ में माधव, फाल्गुन में गोविन्द, चैत्र में विष्णु, वैशाख में मधुसूदन, ज्येष्ठ में त्रिविक्रम, आषाढ़ में वामन, श्रावण में श्रीधर, भाद्र में ऋषीकेश, क्वार में पद्मनाभ और कार्तिक में दामोदर का विशेष महात्म्य समझा गया है।

गीतावली में तीर्थराज प्रयाग का बहुत सुन्दर वर्णन उत्तरकाण्ड में किया गया है। गोस्वामी तुलसीदासजी लिखते हैं-

'सम्पूर्ण कामनाओं को पूर्ण करने वाले भगवान् राम के मनोहर चरण कमल मानो साक्षात् तीर्थराज होकर विराजमान हैं। श्री शंकरजी के हृदय की भक्ति रूप भूमि पर प्रेममय अक्षयवट शोभायमान है। चरणकमलों का पृष्ठभाग श्यामवर्ण है, तलुए अरुण हैं तथा उनमें शुक्ल वर्ण नखावली शोभायमान है। मानो यमुना, सरस्वती और गंगाजी- ये तीनों मिलकर सुन्दर त्रिवेणी के रूप में चली हों। तलुओं में जो अंकुश, वज्र, कमल और ध्वजा के चिन्ह हैं, वे ही सुन्दर भँवर और तरंगावली हैं। उनमें देवता और साधुजन स्नान करते हैं तथा वे मुनियों के सुप्रसन्न चित्तों के मनोहर निवास स्थान हैं। प्रभु के इस चरण रूप प्रयाग में प्रेम करने से वैराग्य, जप, यज्ञ, योग, व्रत, तप और शरीर त्याग के बिना ही सब सुख तत्काल सुलभ हो जाते हैं।

रामचरण अभिराम काम प्रद तीरथ-राज बिराजै।
संकर-हृदय-भगति-भूतल पर प्रेम-अछयबट भ्राजै।।1।।
स्यामबरन पद-पीठ, अरुन तल, लसति बिसद नखस्त्रेनी।
जनु रबि-सुता सारदा-सुरसरि मिली चलीं ललित त्रिबेनी।। 2।।
अंकुस-कुलिस-कमल-धुज सुंदर भँवर तरंग-बिलासा।
मज्जहिं सुर-सज्जन, मुनिजन-मन मुदित मनोहर बासा।।3।।
बिनु बिराग-जप-जाग-जोग-ब्रत, बिनु तप, बिनु तनु त्यागे।
सब सुख सुलभ सद्य तुलसी प्रभु-पद-प्रयाग अनुरागे।।4।।
(गीतावली उत्तरकाण्ड/15)

पद्मपुराण में तीर्थराज प्रयाग का महत्त्व निरूपित करते हुए श्रीव्यास भगवान् कहते हैं कि प्रयाग का महत्त्व समस्त तीर्थों से अधिक है। प्रयाग की महिमा श्रवण करने से, नामसंकीर्तन से तथा इस क्षेत्र मृत्तिका-लाभ से समस्त पाप क्षार हो जाते हैं स्नान करने से राजसूय एवं अश्वमेध यज्ञ का फल प्राप्त होता है। तीर्थराज प्रयाग देवताओं की यजन-भूमि है। प्रयाग तीर्थराज में 12 माधवों का वर्णन मिलता है। 'पूजहिं माधव' देकर प्रयागस्थ अशेष माधवों का अर्थ अभिप्रेत है। जैसे शंख माधव, चक् माधव, आदि माधव, वेणी माधव आदि। 'माधव' शब्द का अर्थ है- भगवती लक्ष्मी के प्राणाराध्य स्वामी/'मा' लक्ष्मी का नाम है। 'मा लक्ष्मी: तस्या: धव: पति: माधव:।' इसी प्रकार 'माया: विद्याया: धव: स्वामी माधव:।' इसी प्रकार 'माया: विद्याया: धव: स्वामी माधव:।' अर्थात् समस्त विद्याओं के अधीश्वर श्री हरि:। अग्नि पुराण में 'माधव' नाम का महात्म्य वर्णन करते हुए कहा गया कि माधव नाम अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष- चारों पुरुषार्थों को देने वाला है। गीताप्रेस गोरखपुर से प्रकाशित **पद्मपुराण** (हिन्दी) के उत्तरखण्ड में तीर्थराज प्रयाग की महिमा के सम्बन्ध में अध्याय 150 के 21वें तथा 22वें श्लोक में वर्णित बात विशेष रूप से उल्लेखनीय है-

21. केषाञ्चिवज्जन्म कोटिर्व्रजति सुवचसायामि यामीति यस्मिन् केषाञ्चिवत्प्रोषितानां नियतमति पतेद वर्षवन्दं वरिष्ठम्। यः प्राप्तो भाग्यलक्षैर्भवति भवति नो वा स वाचामवाच्यो दृष्ट्या वेणी विशिष्ठो भवति दृगतिथिः किं प्रयागः प्रयागः।।

'मैं प्रयाग जाऊँगा, जाऊँगा' इन सुन्दर बातों में ही कितने ही लोगों के करोड़ों जन्म बीत जाते हैं और प्रयाग की यात्रा सुलभ नहीं होती]। कुछ लोग घर से चल तो देते हैं, पर मार्ग में ही फँस जाते हैं, इस कारण उनके अनेक वर्ष समाप्त हो जाते हैं। लाखों बार भाग्य की सहायता होने पर भी जो कभी प्राप्त है और कभी नहीं भी होता, वह त्रिवेणी-संगम-विशिष्ट उत्तम यज्ञभूमि प्रयाग वाणी से परे है। क्या मेरा ऐसा भाग्य है कि वह मेरे नेत्रों का अतिथि हो सके?

22. लोकानाम क्षमाणां मखकृतिषु कलौ स्वर्गकामैर्जपस्तु त्यादिस्तोत्रैर्वचोभिः कथममरपदप्राप्तिचिन्तातुराणाम्। अग्निष्टोमाश्वमेधप्रमुखमखफलं सम्यगालोच्य साङ्गं ब्रह्माद्यैस्तीर्थराजोऽभिमतद उपदिष्टोऽयमेव प्रयागः।।

अर्थात् कलियुग में मनुष्य स्वर्ग की इच्छा होते हुए भी यज्ञ-यागादि करने में असमर्थ होने के कारण जप, स्तुति, स्तोत्र एवं पाठ आदि के द्वारा किस प्रकार अमरपद की प्राप्ति हो- इस चिन्ता से आतुर होंगे, उनको अंगों सहित अग्निष्टोम और अश्वमेध आदि यज्ञों का फल कैसे मिले- इसकी भली भाँति आलोचना करके ब्रह्मा आदि देवताओं ने इस तीर्थराज प्रयाग को ही सब प्रकार के अभीष्ट फलों का दाता बताया है।

अद्वितीय एवं भव्य महाकुम्भ... **...पृष्ठ 5 से आगे**

- अनेक वर्षों से केवल खड़े रहने वाले साधु
- एक हाथ ऊपर रखकर तप करने वाले साधु

अद्भुत-अलौकिक महाकुम्भ हिन्दु संस्कृति का भव्य आयोजन है। करोड़ों लोग मोक्ष की कामना के साथ महाकुभ में आकर गंगा-युमना-सरस्वती के पवित्र घाट पर डुबकी लगाते हैं। इसमें न केवल साधु-संत आये हैं बल्की आध्यात्मक व धर्म के श्रेष्ठजनों के साथ कल्पवासियों को देखने और उनके प्रवचन सुनने तथा आशीर्वाद लेने का सुअवसर होगा।

मेला क्षेत्र में 43 अस्पताल, 125 एम्बुलेंस, 850 समुहों में 10000 से अधिक सफाईकर्मी, 1.50 लाख शोचालय हैं। आने जाने के लिए 13000 टेन, 3000 स्पेशल ट्रेन, 7000 कुम्भ स्पेशल बसें, 550 शटल बसें, 5000 ई-रिक्शा की सुविधा है। सुरक्षा व्यवस्था में AI युक्त CCTV कैमरों से निगरानी के साथ, पुलिस, पेरामिलिटरी व अन्य सुरक्षा एजेंसियों के लोग चप्पे-चप्पे की निगरानी रख रहे हैं।

असंगठित क्षेत्र के 45 हजार परिवारों के लाखों लोगों, पोर्टर, रिक्शा चालक, टैक्सी चालक, चाय एवं खानपान के दुकानदार, प्रसाद एवं माला वाले, नाविक तथा होटल वालों को अत्यधिक रोजगार मिलता है। कुम्भ के 4000 हेक्टेयर क्षेत्र को 25 सेक्टर्स में बांटकर कार्य किया जा रहा है।

13 अखाड़ों में सन्यासी सम्प्रदाय के 7 अखाड़े: जूना आह्वान, अग्नि, निरंजनी, आनन्द, निर्वाणी, अटल। वैष्णव संप्रदाय के 3 अखाड़े निर्मोही, दिगम्बर, निवार्णी अनी। उदासीन संप्रदाय के बड़ा उदासीन, नया उदासीन, निर्मल अखाड़े समिति है। इन अखाड़ों को कुम्भ में अलग-अलग जमीन दी गयी है। अखाड़ों के मुख्य स्नान हैं: पहला मकर संक्रांति को हो चुका है। अब 29 जनवरी मोनी अमावस्या को, 3 फरवरी बसंत पंचमी को, 12 फरवरी माघ पूर्णिमा और फिर 26 फरवरी शिवरात्री को।

महाकुंभ प्रयागराज

हम सनातनी भाईयों के लिए परम् पिता परमेश्वर ने प्रयाग के महाकुंभ के रूप में एक स्वर्ण अवसर प्रदान किया है, इस महाकुंभ में लगभग 50 करोड़ सनातनी भाई अमृत में डुबकी लगाएंगे, यह हिन्दू समाज की भारत में आधी संख्या है, यह सुअवसर 144 वर्ष पश्चात आया है। हम सनातनी भाई महाकुंभ में अमृत डुबकी लगाकर अपना स्वयं का मोक्ष तो कर लेंगे लेकिन हमारी भारत माता का मोक्ष कैसे हो इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। इस शुभ अवसर पर भारत के कोने-कोने से पधारे संत, शंकराचार्य व नागा साधु हैं, उन्हें भी सनातन धर्म की सनातन राष्ट्र की चिंता है। बन्धुओं इस महाकुंभ में सनातन समाज के सभी वर्ग व जाति के लोग आ रहे हैं व साथ-साथ सम्मिलित अमृत स्नान कर रहे हैं किन्तु कोई किसी की जाति-पाति नहीं पूछ रहा। यह संगम 42 दिन तक चलेगा, यहां आने वाले सनातनियों के के भीतर भी राष्ट्र व समाज को सुरक्षित व संगठित करने का भाव है किन्तु इसे खुले रूप से उजागर करने की महति आवश्यकता है। अत: आप सबसे यही विनती है कि जो लोग इस स्वर्णिम अवसर पर प्रयाग जा रहे हैं उन्हें वहां अपने राष्ट्र भाव का खुला प्रदर्शन व समर्थन करना चाहिए। जो बन्धु वहां नहीं जा रहे हैं उन्हें अपने-अपने स्थान पर रहकर महाकुंभ की नित्य चर्चा करनी चाहिए, टेलीविजन व समाचार पत्रों का नित्य अवलोकन कर इस भाव को अब निरंतर बनाए रखना चाहिए। बन्धुओं अन्य देशों से आए हुए लोग भी इस सनातन समाज के समागम को लेकर आल्हादित हैं व हमारी महान सनातन संस्कृति के गुणगान करते हुए कहा रहे हैं कि इसी संस्कृति को अपनाने से ही विश्व का कल्याण होगा। अत: हमें गौरान्वित महसूस करना चाहिए कि हमारे अहोभाग्य है कि हमारे जीवनकाल में भारतवर्ष में महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है। अत: अब बिना एक पल गंवाए हमें इस संस्कृति व इस देश को सुरक्षित रखने का शंखनाद कर देना चाहिए व इस वातावरण को अब निरंतर बनाए रखना है।

वन्देमातरम, भारत माता की जय। जय श्री राम

- राम प्रकाश कुमावत

व्यापार-उद्योग में दृष्टिकोण परिवर्तन

व्यापार-उद्योग में व्यस्त रहते हुए हम सहज जीवन व्या जी सके, हल्केपन का अनुभव कर सकें, इसके लिए हमें दृष्टिकोण में परिवर्तन करना जरूरी है तथा समस्या रहित व्यापार के लिए रचनात्मक साधन और आध्यात्मिक प्रज्ञा का साथ होना जरूरी है।

व्यापार और व्यवहार में जब कभी कोई समस्या आती है तो हम उसका समाधान बाहर ढूंढ़ते हैं परंतु कई समस्याओं का कारण हम स्वयं ही होते हैं इसलिए पहले हमें स्वदर्शन कर अपने अंदर से समाधान ढूंढ़ना चाहिए।

परिस्थिति या व्यक्ति को बदलने में बहुत राह देखनी पड़ती है क्योंकि वे हमारे कंट्रोल में नहीं हैं, हम स्वयं पर कंट्रोल सहज कर सकते हैं। इससे हम कम समय में बड़ा परिणाम प्राप्त कर सकते हैं तथा न उलझेंगे, न तनावग्रस्त होंगे।

व्यापार में जब हम निष्फल होते हैं तो बहुत जल्दी डर जाते हैं लेकिन आध्यात्मिकता सिखाती है कि उस समय हमें अपने आप में धीरज और आत्मविश्वास धारण करना चाहिए। कई बार उस निष्फलता की परिस्थिति में जल्दी परिणाम पाने के निर्णय, और ही भूलों को जन्म देते हैं। इसके बजाय उस समय हम बहुत सावधानीपूर्वक मूल्यांकन कर निर्णय लेते हैं तो टिकाऊ परिणाम पा लेते हैं। व्यापार में मंदी की स्थिति है तो उस समय हमारे में सयानापन हो एवं समझदारी से काम लेना जरूरी है। अगर व्यापार अच्छा है तो हमारे में संतुष्टता हो। अति लोभ, पाप का मूल है और अनर्थ को न्योता देता है।

व्यापार-उद्योग करके अति धन कमाने की अक्सर हमारी वृत्ति रहती है लेकिन धन के प्रति भी दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता है। धन कमाकर जमा करते जाने से लोभ बढ़ता जाता है और भय भी बढ़ता है परंतु धन को सही दिशा में लगाने से धन सलामत भी हो जाता है और फायदा भी होता है।

व्यापार और उद्योग क्षेत्र में कारोबार प्रति सोचें भी और योग्य प्रदर्शनकारी रणनीति को अख्तियार भी करें। संबंधों में समझदारी से काम लें, चाहे कार्यक्षेत्र के संबंधों में, चाहे पारिवारिक संबंधों में और हर बात में उमंग-उत्साह की रणनीति अपनाएं। स्वयं की क्षमता और कमजोरियों का भी कर्मक्षेत्र पर प्रभाव पड़ता है। स्वयं के जिम्मेवार बन, स्व के उर्ध्वगामी परिवर्तन की रणनीति अपनाएं।

व्यक्ति से समष्टि बनती है इसलिए व्यापार जगत के वातावरण को सही बनाने के लिए, हर व्यापारी को स्वयं अपने विचारों में, वृत्ति में, व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन करने की जरूरत है। व्यवहारिक और व्यवसायिक जगत में मूल्यों को धारण करने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान को जीवन की नीव बनाना है। आध्यात्मिक बनना अर्थात् शाति, अंतर्मुखता, उच्च विचार और आत्मसम्मान को अपनाना है।

ज्ञानामृत से साभार

कुमावत बेलदार संघ, गुजरात का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

12 जनवरी 2025 को गुजरात के सूरत शहर में आयोजित कुमावत बेलदार संघ, गुजरात के भव्य शपथग्रहण समारोह में अतिथि के रूप में रामेश्वर बंबोरिया, विमल कुमावत, रूप सिंह कुमावत, श्रीकांततुसे परदेसी एवं हजारों की संख्या में समाजजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम उपरांत सभी ने भोजन प्रसादी का आनंद लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री रामेश्वर बम्बोरिया ने एक रहकर ऐसे आयोजन करने का आह्वान किया तथा इससे विवाह में आ रही समस्याओं का निराकरण भी आसान हो सकेगा।

कृष्ण कुमार वर्मा सम्मानित

स्टोन क्रेशर मशीन निर्माता व निर्यातक कृष्ण कुमार वर्मा, को मेक इन इंडिया मिशन को साकार करने हेतु एवं उद्योगों के हित के लिए सेवा, विहिप के इंदौर विभाग के पदाधिकारी रूप मे समाज सेवा के लिए निरंतर कार्य, करने हेतु Pride of Central India Award-2024 से श्री भूपेन्द्र यादव केन्द्रीय पर्यावरण,वन तथा उर्जा मन्त्री एवं दैनिक भास्कर के डायरेक्टर पवन अग्रवाल तथा प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में दिल्ली मे होटल हयात में आयोजित एक समारोह में दिया गया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री कृष्ण कुमार वर्मा को हार्दिक बधाई।

हनी कुमावत ने नेशनल में रजत जीता

राजस्थान के लालचंदपुरा, जयपुर के हनी कुमावत ने 41वीं एनटीपीसी सब जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में रजत पदक जीता है। हनी के पिता पवन कुमावत अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी है व देश के लिए कई पदक जीत चुके हैं। इस प्रतियोगिता के कंपाउंड इवेंट में लगभग 300 तीरंदाजों ने हिस्सा लिया था। समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय तीरंदाजी संघ के संयुक्त सचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

हनी कुमावत को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामना।

कमलेश कुमावत को रेल सेवा पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया

फुलेरा। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम रोजड़ी के निवासी कमलेश कुमार कुमावत को रेल मंत्रालय से अतिविशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है। कमलेश कुमावत रेलवे में सीनियर सेक्शन इंजीनियर के पद पर जयपुर में कार्यरत है। कुमावत को अपने पद उत्कृष्ट कार्य करने के लिए रेल मंत्रालय से रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव के हाथों दिल्ली में पुरस्कृत किया गया।

मुकेश कुमावत ने जीती शतरंज प्रतियोगिता

अखिल भारतीय आंबेडकर परिषद देसूरी द्वारा आयोजित बस्तीलाल भाटी शतरंज टूर्नामेंट रविवार को आयोजित किया गया, जिसको **मुकेश कुमावत** ने जीता। इसमें - खिलाड़ियों ने अपने कौशल, धैर्य और रणनीति का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में जूनियर ग्रुप (14 वर्ष तक) और सीनियर ग्रुप (14 वर्ष से अधिक) के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सौ.का. आकांक्षा

संग

चि. योगेश

बुधवार, दिनांक 27 नवम्बर, 2024

चौपड़ा रायल्स पैलेस, जयपुर

विज्ञापन

वधु पक्ष : दादा-दादी : स्व. श्री सुवालाल जी-श्रीमती नर्बदादेवी मारोठिया, पिता-माता : **श्री गोपाल लाल-श्रीमती मंजू मारोठिया,** ताऊजी-ताईजी : श्री सीतारामजी-श्रीमती पुष्पादेवी मारोठिया, भैया-भाभी : श्री विनोद जी-श्रीमती संजना, श्री मनोज जी-श्रीमती सुनीता, दीदी-जीजाजी : श्रीमती प्रियंका-श्री नरेन्द्र जी खरकटा, जेपी कॉलोनी, जयपुर, भाई : आर्किटेक्ट सत्यम्, भतीजी : वान्या, देशना, नवन्या नाना-नानी : श्री नाथूलालजी-श्रीमती पार्वती देवी घोड़ेला नन्द विहार, जयपुर, एवं समस्त मारोठिया परिवार

प्रतिष्ठान : Squaroid Constroctions | Squaroid Design Studio | गोपाल लाल-सीताराम

44-B, शिव कॉलोनी, सोडाला, जयपुर

सौ.का. आकांक्षा

संग

चि. योगेश

विज्ञापन

वर पक्ष : दादा-दादी : स्व. श्री राजनाथरामजी-स्व. श्रीमती श्याम देवी कश्यप, **पिता -माता : श्री हरिशचन्द्र जी (वरिष्ठ शिक्षक)-श्रीमती इन्दू रानी कश्यप (प्रधानाध्यापक)**, **ताऊजी-ताईजी :** श्री अशोक कुमार जी-श्रीमती सुशीला देवी कश्यप, श्री अजीत कुमार जी-श्रीमती आभारानी कश्यप, **भैया-भाभी :** श्री गोविन्द जी-श्रीमती कविता, श्री अभिषेक जी-श्रीमती लक्ष्मी देवी, श्री मनोज जी-श्रीमती पूजा, **भाई :** उदित (अंशु), **बहिन :** तेजस्वी, **दीदी-जीजाजी :** अंजलि-श्री अनिल जी, निधि-श्री त्रिलोक जी, नेहा-श्री सत्यानन्द जी, **भतीजा-भतीजी:** नव्या, राघव, वासू, **नाना-नानी :** स्व. श्री हुकमचन्द जी-स्व. श्रीमती चूखा देवी कुसुम्बीवाल, एवं समस्त कश्यप परिवार जयपुर

सौ.का. आकांक्षा

संग

चि. योगेश

विज्ञापन

महिला सशक्तिकरण से ही सशक्ति समाज

सामाजिक पत्रिका एक ऐसा साधन है जो हमें एक मंच पर मिलाने हेतु एक सेतु का कार्य करता है तथा परस्पर अपनी विचारधारा तथा सूचना साझा करने में मदद करता है। एक सशक्त पत्रिका के रूप में 'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने 7 वर्ष से अधिक वर्षों से सेवाएं दी हैं। सभी सहयोगियों एवं टीम मेंबर्स की मेहनत तथा प्रत्यक्ष व परोक्ष सहयोग से अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए यह पत्रिका निरन्तर लोकप्रियता के मार्ग पर आगे बढ़ती चली गयी। आज यह हम सभी की पसंदीदा सामाजिक पत्रिका है, जिसमें समाज से संबंधित सभी जानकारियां, सूचनाएं, शिक्षाप्रद लेख इत्यादि सामग्री प्रकाशित होती है।

भारत के सुसम्मानित पद पर आसीन होने वाली वनदेवी श्रीमती द्रोपदी मुर्मू जी नारी सशक्तिकरण का एक अभूतपूर्व उदाहरण है। हमारा समाज एक पितृसत्तात्मक समाज है। यदि देश के समस्त समाजों की बात की जाएं तो पितृसत्तात्मक तथा मातृसत्तात्मक दोनों प्रकार की परम्पराएं भारतवर्ष में पायी जाती हैं। मगर बाहुल्य अधिकांशत: पितृसत्तात्मक व्यवस्था का ही देखा जाता है। मगर सत्यता यह है कि नारी से ही समाज का अस्तित्व संभव है। नारी सृजन तथा समाज का आधार है और जब समाज सशक्त और विकसित होगा तभी एक मजबूत राष्ट्र की कल्पना की जा सकती है। समाज के निर्माण तथा सशक्तिकरण में स्त्री तथा पुरुष दोनों ही समान रूप से सहभागी होते हैं। दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू एवं एक ही गाड़ी के दो पहिए हैं। जिस समाज में नारी शक्ति को सम्मान दिया जाता है, उसकी विचारधारा का आदर किया जाता है वही समाज विकसित हो सकता है क्योंकि माता के रूप में एक नारी ही बालक को सुसंस्कारित करके समाज को एक सभ्य, शिक्षित तथा होनहार नागरिक सौंपती है। प्राचीन काल से आज तक महिलाओं ने अपने साहस तथा बुद्धि के बल पर सदा ही समाज के गौरव को बढ़ाया है तथा विश्वभर में भारत की ख्याति तथा यश से गुंजायमान किया है। आज की दुनिया में रानी लक्ष्मीबाई, रानी पद्मावती, सावित्री, अनुसूया, पन्नाधाय इत्यादि विदुषी महिलाओं का नाम अखण्ड भारत के नाम के साथ गर्व से जोड़ा जाता है। इन सबके बावजूद क्या कारण है कि आज भी महिलाएं सशक्त नहीं हैं, सुरक्षित नहीं हैं तथा कहीं ना कहीं किसी ना किसी रूप में उपेक्षित तथा प्रताड़ित की जाती हैं। आज भी कन्या भ्रूण हत्या जैसे जघन्य पाप किए जाते हैं तथा छोटी बच्चियां तथा महिलाएं घरेलू हिंसा तथा शारीरिक शोषण की शिकार बनायी जाती हैं। जहां एक ओर महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों में बढ़ोतरी हुई है वहीं दूसरी ओर महिलाओं से संबंधित अपराधों में भी निरन्तर इजाफा हुआ है। इसका मुख्य कारण महिलाओं में आर्थिक सशक्तिकरण की कमी, मीडिया का प्रसार तथा यौनाचार को बढ़ावा देने वाली अश्लील सामग्री का प्रसारण, नशे से संबंधित सामग्री का बेरोकटोक विक्रय इत्यादि ऐसे कारण रहे हैं, जो नारी उत्पीड़न को बढ़ावा देने का कारक हैं। शहरों की स्थिति में फिर भी सुधार आया है मगर ग्रामीण क्षेत्रों में, अनुसूचित जातियों, पिछड़ी जातियों तथा आदिवासी समुदाय की महिलाएं असुरक्षित हैं। इसके अतिरिक्त आज के दौर की आर्थिक समस्याएं जैसे घटती नौकरियां, बढ़ते खर्च, तकनीकी सेवाओं में निरन्तर बदलाव के कारण बढ़त व्यवसायिक जोखिम, पति की आसामयिक मृत्यु, तलाक इत्यादि के कारण भी महिलाओं को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन सभी पहलुओं को देखते हुए भारत में महिला सशक्तिकरण की अत्यन्त आवश्यकता है। हमारे देश में महिला सशक्तिकरण विभिन्न पहलुओं पर निर्भर करता है यथा भौगोलिक स्तर, शिक्षा, जाति, आयु, वर्ग इत्यादि। भारत में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय तथा राज्यों ने अनेक कानून व कार्यक्रम बनाएं गए हैं। इसके अतिरिक्त राज्य एवं केन्द्र में महिला आयोग आदि अनेक ऐसे संगठन भी हैं जो महिलाओं को जागरूक करते हैं ताकि वे अपने और अपने परिवार, समाज और देश से जुड़े निर्णय ले सकें, अपने अधिकारों के लिए लड़ सके तथा अपने या अपने आस-पास हो रहे महिला अत्याचार के खिलाफ लड़ सके। भारत सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण को बल देने के लिए कोई योजनाएं चालू की गयी हैं जैसे जननी सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, लाड़ली, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, तेजस्विनी इत्यादि। ये तो सरकारी नीतियों तथा योजनाओं की बात हुई। यह हम सबका भी दायित्व बनता है कि हम अपने परिवार, समाज तथा देश की महिलाओं को सम्मान की दृष्टि से देखें, उनके प्रति आदरपूर्ण व्यवहार रखें, उनके विचारों को सम्मान दें, उनकी सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहें तथा पारिवारिक एवं सामाजिक निर्णयों में उन्हें भी भागीदार बनायें। ध्यान रखें जब समाज की महिलाएं, सशक्त व सुरक्षित होंगी तभी एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो सकेगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने से हमारे समाज में नारियां राजनैतिक रूप से भागीदारी निभाने में सक्षम होंगी, इससे महिला सशक्तिकरण और सुदृढ़ होगा।

- उर्वशी बालोदिया

बांकेबिहारी मंदिर में शालीन कपड़ों में आने की अपील

वृंदावन। बांकेबिहारी मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से मंदिर में शालीन कपड़े पहन कर आने की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि मिनी स्कर्ट, फटी जींस, हाफ पैंट और नाइट सूट जैसे परिधान मंदिर के लिए अनुपयुक्त हैं। इनसे मंदिर की पवित्रता और गरिमा को ठेस पहुंचती है।

चरण स्पर्श के नियम

सनातन धर्म, संस्कृति और परंपरा में संतों के और बड़ों बुजुर्गों के पैर छूने की परंपरा है, परंतु क्या आप जानते हैं कि कुछ लोगों से पैर छुआना वर्जित है या यह कहें कि कुछ लोगों को पैर नहीं छूना चाहिए।

कुंवारी कन्याएं : सनातन धर्म ग्रंथों के अनुसार कुंवारी कन्याओं को किसी के पैर नहीं छूना चाहिए या यदि कोई कुंवारी कन्या आपके पैर छूने का प्रयास करें तो उसे रोक दें अन्यथा आपको पाप लगेगा। छोटी बच्चियों और कन्याओं के तो पैर छूकर उनका आशीर्वाद लेना चाहिए।

बेटियां : किसी भी पिता को अपनी बेटियों से पैर नहीं छुआना चाहिए। बेटियों को भी चाहिए कि वह पिता के पैर नहीं छुए अन्यथा पिता को पाप लगता है। बेटियों को देवी का रूप माना जाता है इसलिए उनसे चरण नहीं छुआना चाहिए।

बहुएं : कुछ समाज में बहुएं अपनी सास के पैर छू सकती है, परंतु श्वसुर के नहीं क्योंकि बहुएं घर की लक्ष्मी होती हैं।

मंदिर में : यदि आप मंदिर में हैं और आपको वहां पर कोई बड़ा-बुजुर्ग या सम्मानीय व्यक्ति मिल जाता है तो आप पहले भगवान को प्रणाम करें क्योंकि मंदिर में भगवान से बड़ा कोई नहीं होता। भगवान के सामने किसी के पैर छूना मंदिर और भगवान का अपमान माना जाता है।

पूजा कर रहे व्यक्ति के पैर छूना : यदि कोई व्यक्ति मंदिर या घर में पूजा कर रहा है उस दौरान उसके पैर छूना उचित नहीं है। ऐसे में दोनों को ही पाप लगता है। दूसरी बात इससे पूजा में बाधा उत्पन्न होती है।

सोये हुए व्यक्ति के पैर छूना : यदि कोई व्यक्ति सो रहा है या लेटा हुआ है तो उस समय उसके पैर नहीं छूना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इससे लेटे हुए व्यक्ति की उम्र घटती है। केवल मरे हुए व्यक्ति के ही पैर छुए जाते हैं।

श्मशान से लौटे व्यक्ति के पैर छूना : यदि कोई सम्मानित व्यक्ति या बड़े-बुजुर्ग श्मशान घाट से लौट रहे हैं तो उन्हें देखकर कई लोग उनके पैर छूने लगते हैं जो कि गलत है। अंतिम संस्कार से लौटने पर व्यक्ति अशुद्ध हो जाता है ऐसे में उसके पैर छूना वर्जित है। स्नान करने के बाद ही उसके पैर छू सकते हैं। इसी प्रकार श्मशान में भी किसी के पैर नहीं छूना चाहिए।

अशुद्ध व्यक्ति : यदि आप किसी कारण से अशुद्ध हो गए हैं या जिसके आप पैर छूना चाहते हैं वह अशुद्ध है तो दोनों ही स्थिति में पैर नहीं छूना चाहिए। इसे दोनों को ही नुकसान उठाना पड़ सकता है।

भांजा भांजी : यदि आप किसी के भांजे हैं तो आपको मामा-मामी के पैर नही छूना चाहिए क्योंकि भांजा या भांजी पूजनीय होते हैं। मामा-मामी को पाप लगता है।

पत्नी : पति-पत्नी का रिश्ता बहुत ही पवित्र रिश्ता होता है और यह सांझेदारी का रिश्ता होता है। परंतु पति को कभी भी अपनी पत्नी के पैर नहीं छूना चाहिए क्योंकि इससे पत्नी को पाप लगता है।

-मेघना कुमावत, उपाध्यक्ष,
भाजपा सिविल लाइंस मंडल महिला मोर्चा, जयपुर।

'न' शब्द की महिमा

''इनकार, इसरार और ऐतबार'' हिन्दी के वाक्यों में 'न' की नीयत

हिन्दी का सबसे नटखट शब्द है 'न'। नटखट है इसलिए प्यारा है। प्यारा इसलिए भी है कि एकदम नन्हा सा शब्द है तथा एक अक्षर और दो ध्वनियों से मिलकर बना शब्द हैं। बोलते समय दो ध्वनियों - 'न' और 'अ' को बेखटके एक साथ बोलते है तो यह शब्द बन जाता है और लिखते समय तो खैर एक ही अक्षर लिखना पड़ता है- 'न'।

'न' का मतलब क्या होता है?

यह भी कोई पूछने की बात है भला। 'न' का मतलब होता 'नहीं।' 'न' का मतलब होता है मना करना।

ठीक बात है। 'न' का मतलब होता है मना करना। जैसे हम कहते हैं 'न खाओ।' लेकिन अब इस वाक्य में शब्दों के क्रम को उलट कर देखें। 'खाओ न।' अब यहाँ तो आप खाने के लिए मना नहीं कर रहे हैं, बल्कि खाने के लिए सामने वाले को मना रहे हैं, मनुहार कर रहे हैं, इसरार कर रहे हैं।

वाक्य में जैसे ही 'न' अपनी जगह बदलता है. 'न' का इनकार, इसरार, मनुहार और मुहब्बत में बदल जाता है। इसलिए इस नन्हें से शब्द पर हिन्दी फिल्मों के लिए गीत और संवाद लिखने वालों ने बेपनाह प्यार लुटाया है। एक बार उन फिल्मों के नाम और गीतों के बोल को याद करते हैं, जिनमें 'न' अपने अलग-अलग रंगों में मौजूद है- 'कहो न प्यार है', 'पूछो न कैसे मैंने रैन बिताई', 'जाने दो न...' 'पास आओ न।' न जाने मनुहार और इसरार के कितने सारे गीत हिन्दी फिल्मों के लिए लिखे गए हैं।

एक और प्रकार का वाक्य है जिसमें 'न' का प्रयोग वाक्य के अर्थ को एक अलग रंगत दे देता है। आपने यह वाक्य भी सुना होगा - 'मैं हूँ न'। वैसे तो यह एक हिन्दी फिल्म का नाम है, लेकिन आम बोलचाल में भी हम यह वाक्य बोलते हैं। यह भरोसा, ऐतबार और हौसला देने वाला वाक्य है। मान लें आप किसी वजह से निराश और हताश हैं और कोई आकर कहे - 'मैं हूँ न' तो अद्भुत ताकत मिलती है।

दरअसल अगर रुककर सोचें तो मनुहार और इसरार के पीछे भी भरोसा और आपसी विश्वास ही है। जैसे ही वाजिब या गैरवाजिब अधिकार भाव से कहा जाता है 'खाओ न' इसरार के बदले वह यह कथन आदेश में बदल जाता है। अगर आदेश देने वाला व्यक्ति भरोसेमंद हो तो उसकी बात मान लेनी चाहिए। अगर आपका डॉक्टर कहे 'खाओ न' तो खा लेना चाहिए।

लेकिन बहुत सारे लोग 'मनुहार' की आड़ लेकर ताकत का खेल खेलते हैं। जहाँ भी ऐसा लगे साफ-साफ 'न' कहना चाहिए, अपनी पूरी ताकत से से 'न' कहना चाहिए।

नटखट और प्यारा होने के साथ ही 'न' एक ताकतवर शब्द भी है।

साभार- साइकल पत्रिका

क्या युवाओं का शादी से मोहभंग हो रहा है ?

परम्परागत रूप से भारतीय समाज पितृ सत्तात्मक समाज रहा है। यहां महिलाओं को घर व बच्चों की जिम्मेदासरी सम्भालनी होती थी, वहीं पुरुष घर के बाहर जाकर खेती, व्यवसाय व नौकरी कर आय अर्जित करते थे, जिससे घर चलता था। तब शिक्षा का विस्तार अधिक नहीं था तथा बालिका शिक्षा पर बहुत कम ध्यान दिया जाता था। तब पुरुष व स्त्री अपनी सामाजिक व आर्थिक जिम्मेदारियां परम्परागत रूप से निभाते थे। हमारा कुमावत समाज भी कमोबेश ऐसा ही रहा है।

पर आज समाज में शिक्षा का व्यापक प्रसार हुआ है तथा पुरुष व महिलाएं उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। विविध क्षेत्रों में अब महिलाएं व्यावसायिक व तकनीकी योग्य ले रही हैं। वे प्रमुख शहरों में प्रतिष्ठित कम्पनियों व विदेशों में नौकरियां कर रही हैं। युवाओं में अब शादी प्राथमिकता नहीं रही बल्की कैरियर फर्स्ट हो गया है। जब उनका कैरियर सेटल होता है तब सही जीवन साथी नहीं मिलने की दुविधा हो जाती है। फिर शादी के बाद लड़के के परिवार के अनुरूप ढलना तथा वैवाहिक रिश्तों में अनेक सामंजस्य करना स्त्री स्वतंत्रता में बाधक दिखते हैं। उधर पति का परिवार कामकाजी बहु के अनुरूप बदलाव नहीं कर पाते, इससे आपसी कटुता बढ़ने के उदाहरण देखे जा सकते हैं। इससे बहु पर नौकरी छोड़ घर के कामकाज करने का दबाव बढ़ता है और यदि वह नौकरी जारी रखना चाहती है तो नौकरी से लौटने पर थक जाती हैं। ऐसे में घरेलू कामकाज के लिए नौकर रखने पर ससुराल वालों का विरोध आड़े आ जाता है।

शादी के बाद बहु से जल्द माँ बनने की अपेक्षा की जाती है। बच्चे होने पर एक कामकाजी महिला उसका ध्यान कैसे रख पायेगी ? यदि सास-ससुर उसके बच्चों की परवरिश कर लें तो ठीक और यदि वे इसके लिए तैयार नहीं तो क्लेश होना स्वाभाविक है।

कामकाजी महिला व पुरुषों में इगो की प्रवृत्ति आ जाती है। यदि पत्नी की आय उसके पति से अधिक हो तो यह समस्या अधिक बढ़ जाती है। पति इससे हीनभावना का शिकार भी हो सकता है।

कैरियर ओरियन्टेड होने पर पत्नी का ऑफिस से घर देर से लौटना उसके चरित्र पर संदेह करने का कारण बन जाता है। इससे आपसी तनाव बढ़ता है जबकि पत्नी को तब शांति व सुकून की जरूरत होती है। पर समझना चाहिये कि हमारा परिवार पहले है, पैसा बाद में।

कारपोरेट कल्चर के अनुरूप कपड़े व अच्छे दिखना जरूरी हो गया है, फिर देर तक मीटिंग तथा पार्टियां आम बात है। इसे पति-पत्नी तो समझते हैं, पर परिवार के बड़े-बुजुर्ग नहीं समझते, जो टोका-टाकी व मनमुटाव का कारण बनता है। ऐसे में पत्नियां अलग घर में शिफ्ट होना चाहती हैं। यदि पति इसके लिए तैयार नहीं होता तो आपसी मतभेद पैदा हो जाते हैं।

पत्नी के माता-पिता का अनावश्यक दखल करना व निष्पक्षता से समाधानकारक सुझाव देने के बजाए केवल पूर्वाग्रह से बेटी का पक्ष लेना रिश्तों में नुकसान पहुंचाता है। आजकल लड़कियों की सहनशक्ति काफी कम हो गई है, वह उन परेशानी में नहीं पड़ना चाहती जो पीढ़ियों से महिलाएं झेलती रही हैं। आज की युवा पीढ़ी अब (worry invited forever) नहीं चाहती। इसलिए कुछ युवा शादी ही नहीं करना चाहते और यदि शादी हो गई तो मामूली मतभेद, असुविधा व सम्मानजनक व्यवहार नहीं मिलने पर तलाक का विकल्प तलाश रहे हैं। वे दबाव व दर्दनाक शादी के बंधन में बंधना नहीं चाहते। अब युवाओं की प्राथमिकता एजुकेशन कैरियर, इनकम व अपनी चाहत के अनुसार जीवन जीना है। राष्ट्रीय महिला आयोग में दर्ज शिकायतों में 31 प्रतिशत शिकायतें महिलाओं ने गरिमा के साथ जीने के अधिकार के तहत दर्ज करायी है। इसके बाद नम्बर आता है घरेलू हिंसा व दहेज उत्पीड़न और प्रताड़ना की शिकायतों का। अब महिलाएं दबाव में भी जीना नहीं चाहती तथा तलाक लेकर सिंगल रहना चाहती है या शादी ही नहीं करना चाहती।

अब युवा शादी के बजाए लीव इन रिलेशनशिप में रहना चाह रहे हैं व शादी का बोझ उठाने से बच रहे हैं, वे अपनी इमोशनल व फिजीकल जरूरतें बगैर शादी पूरी कर लेना चाह रहे हैं। इसे गतिमान बना रहे हैं कमिटमेंट और एडजेस्टमेंट की कमी और आर्थिक स्वतंत्रता।

युवाओं की व्यक्तिवादी सोच, आर्थिक आजादी, सहनशीलता का अभाव, इगो, पुरानी मान्यताओं व मूल्यों का आज की परिस्थिति में टिक नहीं पाना और कारपोरेट कल्चर युवाओं में शादी का मोह भंग कर रहे हैं। यदि घर से दूर शहरों में नौकरी कर रहे हैं तो युवाओं पर घर वालों व रिश्तेदारों का अंकुश लेशमात्र नहीं रह पाना इसकी वजह है। इसलिए जैसा वे चाहे रहते हैं।

पर अधिकांश युवा अब भी दाम्पत्य बंधन में बंधकर जीने में यकीन रखते हैं जो उचित है। पर घरवालों को भी वर्तमान परिस्थितियों से तालमेल बैठाकर संयम एवं समझदारी से चलना श्रेयस्कर है इसी में पूरे परिवार का भला है। - **आर.सी. कुमावत**

''सुख'' का कोई इंजेक्शन नहीं होता।
''दर्द'' की कोई दवा नहीं होती।
लेकिन ''स्नेह'' का विटामिन और ''भावनाओं'' का ऑक्सीजन समय पर मिल जाए तो संबंधों को बिगड़ने से बचाया जा सकता हैं।

60 साल पार के लोग- भाग्यशाली

वे लोग भाग्यशाली हैं जो 16 + 44 = 60 साल पार कर गये है। जापान में डॉ वाडा 60 साल से अधिक उम्र के लोगों को, 'बुजुर्ग' कहने के बजाय, 'भाग्यशाली लोग' कहने की वकालत करते हैं। उन्होंने बताया है कि:-

1. ऐसे लोगों को चलते रहना है।
2. जब चिड़चिड़ा महसूस करें तो गहरी सांस लें।
3. व्यायाम करें, ताकि शरीर में जकड़न महसूस न हो।
4. गर्मियों में, एयर- कंडीशनर चालू होने पर, अधिक पानी पिएं।
5. खाने को जितना चबाएंगे, आपका शरीर और मस्तिष्क उतना ही ऊर्जावान होगा।
6. याददाश्त उम्र के कारण नहीं, बल्कि लंबे समय तक मस्तिष्क का उपयोग न करने के कारण कम होती है।
7. ज्यादा दवाइयां लेने की जरूरत नहीं है।
8. रक्तचाप और रक्त शर्करा के स्तर को जानबूझ कर कम करने की आवश्यकता नहीं है।
9. केवल वही काम करें, जिससे आप प्यार करते हैं।
10. चाहे कुछ भी हो जाए, हर समय घर में नहीं रहे। रोज घर से बाहर जरूर निकलें और टहलें भी।
11. जो चाहो खाओ, पर नियन्त्रित रखिये।
12. हर काम सावधानी से करें।
13. उन लोगों से वह व्यवहार न करें, जिससे आप भी नापसंद करते हैं।
14. अपनों का ख्याल रखें।
15. बीमारी से, अंत तक लड़ने के बजाय इसके साथ जीना बेहतर है।
16. मुश्किल समय में, आगे बढ़ने से मदद मिलती है।
17. हर बार, खाना खाने के बाद, थोड़ा सा गुनगुना पानी, अवश्य पियें।
18. रात में, जब भी उठें, पानी अवश्य पियें।
19. जब नींद नहीं आये, तो जबरदस्ती न करें।
20. खुशमिजाज चीजें करना, दिमाग को तेज करने वाली सबसे अच्छी गतिविधि है।
21. अपने लोगों से बातचीत करते रहें।
22. एक ''पारिवारिक चिकित्सक'' को, अपने आसपास जल्दी खोज लें जिससे जरूरत पड़ने पर उपचार करा सकें।
23. धैर्य रखें, लेकिन अत्यधिक नहीं, या हर समय अपने आप को अच्छा बनने के लिए मजबूर न करें।
24. नया सीखते रहें, वरना बूढ़े कहलाएंगे।
25. लालची मत बनो, अब जो कुछ भी तुम्हारे पास है, वही अच्छा व काफी है।
27. जब कभी बिस्तर से उठना हो, तो तुरंत खड़े न हों, 2-3 मिनट रुककर, उठें।
28. जितनी अधिक परेशानी वाली चीजें हैं, उतनी ही दिलचस्प हैं।
29. स्नान करने के बाद पलंग/कुर्सी पर बैठकर या दीवार आदि का सहारा लेकर कपड़े पहने।
30. वही करें, जो अपने और दूसरों के लिए हितकारी हो।
31. अपने आज को, इत्मिनान से जिएं।
32. इच्छा, दीर्घायु का स्रोत है!
33. एक आशावादी के रूप में जियें।
34. प्रसन्नचित्त व्यक्ति, लोकप्रिय होंगे।
35. जीवन और जीवन के नियम आपके अपने हाथों में हैं।
36. इस उम्र में सब कुछ शांति से स्वीकार करे।

संकलन: 'कुमावत इंडिया' टीम

जयपुर ज्वैलरी शो जेजेएस -24 में मनमोहक कलाकृतियों ने जमाया रंग

जेमस्टोन वर्किंग फील्ड में पहले नेशनल अवॉर्ड विनर, महाराजा सज्जन सिंह अवॉर्ड सिटी पैलेस उदयपुर, महाराज भगवत मानसिंह अवार्ड, सिटी पैलेस जयपुर, राजस्थान फैशन ज्वैलरी अवार्ड देश विदेश में भी कई प्रतिष्ठित जगह से सम्मानित **अमित सिरोहिया** ने बताया कि

1- नृत्य मुद्रा में राधा कृष्ण जी लपिडो लाइट पत्थर में नृत्य मुद्रा में भगवान राधा कृष्ण जी बनाया है जिसमें नीचे गायों का झुंड उछल कूद कर रहा है और ऊपर पेड़ पर मोर बैठे हुए हैं जिसकी ऊंचाई 24 इंच है इसे बनाने में 18 महीने का समय लगा।

2- लाइट क्रीम एवेंचुरिन में भगवान गणेश जी की चार प्रतिमाएं जिनको अलग-अलग वाद्य यंत्रों में संगीत बजाते हुए दिखाने का प्रयास किया है और सामने शिवजी को संगीत सुनाने का दृश्य बनाया गया है। नीचे बैठक में मूषक का दौड़ लगाते हुए घेरा बनाया है जिसको बनाने में 12 महीने का समय लगा। हर स्टोन में तीन स्तर पर काम होता है पहले मोटी कटिंग होती है फिर कार्निंग होती है उसके बाद पॉलिशिंग कर उसे निखारा जाता है।

खुशी का पैमाना है- आत्म संतुष्टि

पिछले 6 सालों से वर्ल्ड हैप्पीनेस रैंकिंग में सबसे ऊपर है- **फिनलैंड**। दुनिया में खुशी का पैमाना बनाने वाले एक्सपर्ट्स ने बताया कि ऐसा क्यों है ? फिनलैंड समेत यूरोप के नॉर्डिक रीजन के देश खुशी के पहले पैमाने- आत्म संतुष्टि, यानी सेल्फ सेटिस्फेक्शन पर खरे उतरते हैं। वजह है इन सभी देशों की संस्कृति कुछ खास नियमों पर चलती है। इन्हें पहली बार नॉर्वे के लेखक अक्सेल सैंडेमोस ने अपनी किताब में 1933 में **'यांते की संहिता'** के नाम से 10 नियमों में ढाला। अब यह संहिता पूरे नॉर्डिक क्षेत्र के स्कूलों में पढ़ाई जाती है। समझिए...फिनलैंड में कैसे लागू होती है ये संहिता तथा कैसे इसे अपना सकते हैं ?

1. फिनलैण्ड में खास और आम का कॉन्सेप्ट नहीं है। फिनलैंड की राजधानी में मकानों की कीमत इलाके के हिसाब से नहीं आकार के हिसाब से तय होती है। कोई भी मोहल्ला अमीरों का नहीं है। यहां आपको हर मोहल्ले में अमीर और गरीब एक साथ ही रहते मिल जाएंगे। हर व्यक्ति अपनी जरूरत के मुताबिक कहीं भी मकान खरीद सकता है।

2. फिनलैण्ड में कोई अपनी संपत्ति का दिखावा नहीं करता है। वहां किसी भी शहर में महंगी गाड़ियां नहीं दिखेंगी। देश के सबसे अमीर व्यक्ति एंट्ड्टी हर्लिन भी साधारण गाड़ी से ही चलते हैं। यहां निजी संपत्ति का दिखावा करने को पूरा समाज एक बुराई के रूप में देखता है। यहां आम लोगों में इसकी चर्चा भी नहीं होती कि फिनलैंड में सबसे अमीर व्यक्ति कौन है।

3.फिनलैण्ड में कोई नहीं सोचता है कि उसका ज्ञान दूसरों से ज्यादा है, बस सीखते रहना है। यानी ज्ञान का दिखावा नहीं किया जाता है। फिनलैंड में टीचर बनने के लिए सबसे कठिन परीक्षा से गुजरना पड़ता है। वहां मान्यता है कि टीचर का पेशा सबसे अहम है और सबसे योग्य व्यक्ति ही टीचर की नौकरी पा सकता है। **विनम्रता** टीचर्स के लिए जरूरी है। वहां टीचर्स बच्चों के दोस्त बनकर रहते हैं। यही एजुकेशन सिस्टम की खासियत है।

4. फिनलैंड में कोई भी नहीं मानता है कि वह दूसरों से बेहतर है। यानी पद या प्रतिष्ठा, बेहतरी से जुड़ी नहीं है। फिनलैंड की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कोच मार्कू कनेर्वा वहां रोल मॉडल हैं। वे खुद मशहूर फुटबॉलर रहे, इसके बावजूद एलिमेंट्री स्कूल में टीचर भी बने। बतौर कोच उनकी खासियत यह मानी जाती है कि वे टीम के सेवक जैसा व्यवहार करते हैं। वे बिना दबाव के सीखने की प्रोसेस को सपोर्ट करते हैं।

5. शिक्षा पर किसी का विशेषाधिकार नहीं है, यह सबका हक है। वहां शिक्षा बिल्कुल मुफ्त है। सिर्फ स्कूली शिक्षा ही नहीं, विश्वविद्यालयों में भी एजुकेशन पूरी तरह फ्री है, बाहर से आकर पढ़ने वालों के लिए भी। स्थानीय छात्रों को सरकार पढ़ाई के दौरान भत्ता भी देती है। वहां किसी को भी ज्यादा पढ़ा-लिखा होने का घमंड नहीं होता है।

6. कोई अहम नही है, वहां सबसे एक जैसा व्यवहार होता है। फिनलैंड में हाल ही में 3 कैबिनेट मंत्रियों ने सरकारी अस्पताल में बच्चों को जन्म दिया। उन्हें वही सुविधाएं मिलीं जो आम नागरिक को मिलती हैं। यहां खास ख्याल रखा जाता है कि किसी को भी विशेष सुविधा न दी जाए। सबसे बराबर व्यवहार हो। सरकारी सिस्टम से जुड़े लोग इसका ज्यादा ख्याल रखते हैं।

7. वहां जन्म, योग्यता या उपलब्धि पर किसी से जलन नहीं की जाती है। फिनलैंड में स्वास्थ्य व शिक्षा की सुविधाएं सबके लिए एक जैसी हैं। रोजगार के मौके भी सबको बराबर मिलते हैं। नेता, मंत्री, व्यापारी, नौकरी करने वाले या बेरोजगार...सभी के बच्चे एक जैसे माहौल में बड़े होते हैं। यही कारण है कि यहां बच्चों में असमानता की वजह से कभी जलन का भाव नहीं आता।

8. वहां कभी, किसी भी वजह से किसी व्यक्ति का मजाक नहीं उड़ाया जाता है। यानी सबकी भावनाओं का सम्मान होता है। फिनलैंड के समाज में इस बात पर बचपन से ही फोकस किया जाता है। यह ध्यान रखा जाता है कि बच्चे एक साथ मिलकर हंसें, मगर एक-दूसरे पर कभी न हंसें। किसी की शारीरिक बनावट, समझ या सामाजिक हालातों का कभी मजाक नहीं उड़ाया जाता। यह यहां संस्कृति का हिस्सा ही नहीं है।

9. वहां लोग खुद को जानना चाहते है, जो प्रकृति की गोद में संभव है। यानी अपनी खुशी, प्रकृति में तलाशी जाए। फिनलैंड का 70% इलाका जंगल है। देश में 1.88 लाख झीलें हैं। लोगों का सबसे पसंदीदा काम प्रकृति के बीच वक्त बिताना है। शहरों में रहने वाले करीब हर व्यक्ति के पास ग्रामीण इलाके में समर कॉटेज भी है। यहां आने वाले पर्यटक कहते हैं कि फिनलैंड में नागरिकों का जीवन किसी रिसॉर्ट के मेहमान जैसा है।

10. वहां कोई अपनी उपलब्धियों का बखान नहीं करता है। कोरोनाकाल में फिनलैंड की प्रधानमंत्री सना मरीन ने खुद लोगों के लिए जरूरी चीजें जुटाईं, ग्राउंड पर मैनेजमेंट देखा। मगर कभी इसका प्रचार नहीं किया। देश के अमीरों ने जमकर दान दिया, लेकिन कोई भी सामने नहीं आया। यहां कोई भी काम की क्रेडिट लेने को अच्छी बात नहीं मानता है।

यहीं है कि फिनलैंड खुशी के पैमाने पर 6 सालों से अव्वल है।

-अमिता कुमावत

मुस्कान वो मनोहर चाबी है
जो कि हर दरवाजे का ताला
खोल सकती है।

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत
वि/153 डॉ. अनूप कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

17 दिसम्बर श्री मोहन लाल मामोड़िया, हाथोज, जयपुर
18 दिसम्बर श्रीमती कोयल देवी लोहरवाड़िया, सोनावाड़ी, जयपुर
19 दिसम्बर श्री रमेश चन्द अनावड़िया, करणीविहार, पांच्यावाला, जयपुर
20 दिसम्बर श्री चान्दमल कुमावत, नेमीसागर कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर
20 दिसम्बर श्रीमती ग्यारसी देवी दोराया, प्रतापनगर, सांगानेर, जयपुर
20 दिसम्बर श्रीमती झूमरी देवी पीपलोदा, हाथोज, जयपुर
21 दिसम्बर श्रीमती उमा देवी जलांधरा, लालकोठी योजना, जयपुर
22 दिसम्बर श्रीमती मनफूली देवी निराणिया, झोटवाड़ा, जयपुर
22 दिसम्बर श्री पप्पू कुमावत तांगड़ा, आमेर रोड, जयपुर
22 दिसम्बर श्रीमती मीना देवी कुलचानिया, गांधीपथ, जयपुर
23 दिसम्बर श्रीमती धापा देवी जूनवाल, दांतली, जयपुर
24 दिसम्बर श्रीमती सुशीला देवी देवतवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
25 दिसम्बर श्रीमती ऊषा खोवाल, महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर
26 दिसम्बर श्री मिश्रीलाल चांदोरा, ब्यावर
29 दिसम्बर श्री पवन जलेंधरा, कानोड़िया रोड, इंदौर
29 दिसम्बर श्रीमती गुलाब देवी मारोठिया, गोविन्दपुरा, जयपुर
29 दिसम्बर श्रीमती यशोदा देवी दोराया, हाथोज, जयपुर
30 दिसम्बर श्रीमती चंदा देवी, कुमावत कॉलोनी, ब्यावर
31 दिसम्बर श्री प्रहलाद अजमेरा, माल की ढाणी, सांगानेर, जयपुर
2 जनवरी श्री सत्यनारायण जूनवाल, कुम्हारियावास, जयपुर
2 जनवरी श्री मोहन लाल सोकिल, सामोद
3 जनवरी श्रीमती चुन्नीदेवी मारोठिया, खोरी, जयपुर
4 जनवरी श्रीमती पुष्पा कुमारी सिरोहिया, शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर
4 जनवरी श्रीमती तीजा देवी बगराणिया, प्रेम नगर, झोटवाड़ा, जयपुर
5 जनवरी श्रीमती आशा देवी मारवाल, हिरापुरा, जयपुर
5 जनवरी श्री गुरुदयाल सिंह कैकट्या, बरकत नगर, जयपुर
6 जनवरी श्री रामलाल देवत, खातीपुरा रोड, जयपुर
7 जनवरी श्री मुकेश काकणवाल, ब्यावर
7 जनवरी श्रीमती आरती देवतवाल, लालकोठी, जयपुर
9 जनवरी श्रीमती दीपिका धुंधारिया, जयपुर
10 जनवरी श्री रामकिशोर छापोला, सांगानेर, जयपुर
11 जनवरी श्रीमती नारायणी देवी खोरानिया, निंदड़
16 जनवरी श्री आनन्दीलाल धुंधारिया, टोडी सीकर रोड, जयपुर
17 जनवरी श्री राकेश कुमार कुद्दीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
17 जनवरी श्री पान सिंह देवतवाल, बरकत नगर, जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
चांदमल	B.Com.	Account work	8.9.99	5'8''	सिंघाटिया	मोरवाल	मारवाल	बालोदिया	8104382890	जयपुर
डॉ. किशन	MBBS	Prepating PG	2.7.95	5'7''	किरोड़ीवाल	मारवाल	घोड़ेला	तूनवाल	9001972560	चिड़ावा
सचिन	M.Com.(EAFM)	Musician Artist	28.12.90	-	जलान्दरा	कठूमरा	खाटूवाल	मनेठिया	9829456779	जयपुर
विकास	MCA	Data Analayst	25.6.97	6'0''	बारावाल	बालोदिया	सिंघाटिया	नीमीवाल	9799602877	रेनवाल
सुनील	B.E.	Product manager	29.9.94	5'6''	देवतवाल	जलान्दरा	आईथान	आसीवाल	9920236215	जयपुर
रामप्रसाद	M.Com., MBA	Job Pvt.Ltd.	17.7.99	5'8''	बारावाल	सिरोहिया	खोरानिया	बढ़ानिया	8209214601	जयपुर
रोहित(मांगलिक)	M.Com.	Infosys	21.5.97	5'8''	किरोड़ीवाल	खोरानिया	खण्डेरिया	गैदर	9214915396	जयपुर
प्रशान्त	M.Com.	HR in Ltd.	7.4.2001	5'10''	मारावंडिया	खोरानिया	तांगड़ा	गैदर	7976220877	जयपुर
लोकेश	M.A.	Pvt. Job	4.1.96	5'6''	बासनीवाल	घोड़ेला	तूंदवाल	मारवाल	9829074946	मनोहरपुर
मोहित	B.A.	B.P.O..	22.8.98	5'11''	देवतवाल	जलान्दरा	सिरस्वा	खोवाल	9314732362	जयपुर
पवन	M.Com.	Accountat	17.3.95	5'8''	खोरानिया	खटोड	जलांदरा	किरोड़ीवाल	9829528566	रेनवाल
विशाल	B.Com.	Event Manager	21.2.91	5'8''	मावर	किरोड़ीवाल	बेडवाल	माचीवाल	7879807478	अजमेर
राहुल	M.Com.(ABST)	University	31.10.89	5'9''	धुंधारिया	मारवाल	बढ़ानिया	खोवाल	9314259084	जयपुर
विनोद	B.B.A.	Accountant Pvt. Hospital	12.12.94	5'6''	जलान्दरा	घोड़ेला	मारवाल	ब्याड़वाल	9929804998	रींगस
हरसदराज	B.Com.	Own Agency	13.6.94	5'9''	गोठवाल	दोराया/देवतवाल	खण्डारिया	घोड़ीवाल	9314966460	जयपुर
लक्ष्य	B.A.	Self Service	23.8.97	5'9''	गैदर	देवतवाल	छाबल्या	माचीवाल	9829144105	जयपुर
महेश	B.Com, PGEP	Senior marketing manager	18.6.91	5'9''	बालोदिया	खण्डेरिया	मारवाल	निमीवाल	9950708704	जयपुर
अमित	B.Sc.(Maths)	Kirana General Store	16.11.98	5'11''	कुदाल	मारवाल	सारड़ीवाल	बसवाल	9950961826	अजमेर
दीपक	M.Com.	Research analyst	12.7.95	5'7''	तूंदवाल	किरोड़ीवाल	नीमीवाल	सिहोटी	8511695353	उदयपुर
आशीष	B.Tech.	Teacher	2.4.98	5'7''	माचीवाल	किरोड़ीवाल	जलान्दरा	नीमीवाल	9414518517	किशनगढ़
रविन्द्र	MCA	Software Engi. in cloud	29.6.93	5'10''	घोड़ेला	उज्जीवाल	अडावनिया	मारवाल	9414259521	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
वापिका	MCA	Pvt. Ltd.	28.6.92	5'0''	मारवाल	जलान्दरा	जेठीवाल	भोड़या	9351708090	जयपुर
अनीशा	M.Sc. (Cha.)	Pvt. Sch.	18.10.97	5'5''	तोंदवाल	दम्बीवाल	मामोडिया	दोराया	9829129917	जयपुर
ऋतु	MBA in Finanace	-	2.1.98	4'7''	गंगवान	धनारिया	बगड़िया	होदकास्या	9229599028	उज्जैन
श्रेया	B.Sc.	-	26.6.2002	5'2''	जलान्दरा	मामोडिया	होदकास्या	कारगवाल	9413748654	फुलेरा
चंचल	M.Sc., Phd. NET	Senior Researchor	28.3.90	5'2''	घोड़ेला	धमुनिया	ब्याड़वाल	आसीवाल	9352220118	जयपुर
मानसी	BCA	-	18.2.2003	5'6''	कुकड़वाल	दम्बीवाल	किरोड़ीवाल	माचीवाल	9829956243	पाली
सुरभी(तलाकशुदा)	B.Tech.(EC)	Pvt.	8.9.95	5'4''	खोवाल	ब्याड़वाल	मामोड़िया	देवतवाल	9460548623	जयपुर
नन्सी	B.Com. Interior	-	14.2.2001	5'3''	भोड़ीवाल	कारगवाल	किरोड़ीवाल	मनेठिया	9887876723	जयपुर
रितू	M.Sc. (Fashion Des)	Pvt.Ltd.	16.2.97	5'5''	भोरोदिया	वनावड़िया	किरोड़ीवाल	शोकल	9351255950	उदयपुर
भाग्यश्री	MBA in Marketing	-	9.4.99	5'3''	गंगवान	धनारिया	बगड़िया	होदकास्या	9229599028	उज्जैन
राधिका	B.A.	Teaching	18.1.2001	5'2''	धनेरिया	घोड़ेला	गुन्गावन	राहोरिया	9351866830	पीसांगन
भाविका	B.Tech.(Civil)	Pvt.	1.1.95	-	कोलूकरिया	सिंघाटिया	माचीवाल	घोड़ेला	9414373745	उदयपुर
स्नेहा	B.Com.,M.Com.	Teacher	11.9.97	5'0''	खरनेरिया	जायलवाल	रेनीवाल	घोड़ेला	9828761511	भीलवाड़ा
अनीता	M.Com.,CS,LLB	Pvt. Job	4.8.89	5'5''	कैक्टिया	मन्डालिया	वनवाड़िया	बेरा	9828121735	उदयपुर
मोनिका	M.Com.	Pvt.	13.6.94	5'1''	पारमवाल	घोड़ेला	लोहरवाड़िया	खाटूवाल	9351007736	ब्यावर
दिव्या	M.Com.	-	28.4.95	-	वनावड़िया	निमीवाल	देवतवाल	भड़मूण्डा	9414263967	उदयपुर
प्रियंका	M.Com., MA,UGC	Assi. Prof. Collage	9.6.98	5'4''	पारमवाल	सरस्वा	घोड़ेला	मारवाल	9829970103	अजमेर
किरन	M.Tech. (Bits Pila.)	Pvt. Ltd.(Pune)	16.3.94	5'5''	सागर	चांदोरा	मालिया	तिलायचा	9313723675	जोधपुर
तनू	B.Tech. (Civil)	M.Tech	1.5.99	5'1''	कारगवाल	तूंदवाल	घोड़ेला	मारवाल	9825794110	सूरत
Dr. P. Sang	MBBS	Pursuing MD	22.2.95	5'6''	सागर	चांदोरा	मालिया	तिलायचा	9313723675	सूरत
दिव्या	B.Tech.(CS)	Pvt. Job	29.6.91	5'3''	भौरोदिया	छाबल्या	खूंखवाल	खटवाल	8947992776	जयपुर
करिश्मा	Engeneering IIST	TCS	2.12.93	5'1''	गंगवान	जांगडे	बगड़िया	मुलेवा	9229599028	उज्जैन

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी निःशुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिले तो क्या करें

'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रति माह 25 तारीख तक सदस्यों को डाक से भेजी जाती है। यदि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका माह के अंत तक आपको नहीं मिले तो कृपया अपने क्षेत्र के पोस्टमैन अथवा पोस्ट मास्टर से इसकी शिकायत करें तथा हमें सूचित करें जिससे आपको सम्बन्धित अंक की प्रति पुन: भेजी जा सके। यदि शिकायत पर कोई कार्यवाही न हो तो कृपया इसकी सूचना 'कुमावत इंडिया' पत्रिका कार्यालय को दें या व्हाट्सएप नं. 9414554322 पर अपना नाम, पता मय पिनकोड लिखकर मैसेज करें। जिससे पत्रिका स्तर से भी सम्बन्धित पोस्ट ऑफिस को शिकायत भेजी जा सके।

सूचना

आदरणीय समाजजनों से निवेदन है कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशन हेतु सामाजिक गतिविधियों के समाचार, समाज प्रतिभाओं का विवरण व लेख आदि की जानकारी पत्रिका कार्यालय या व्हाट्सएप नं. 9414554322 या e-mail:kumawatindiapatrika@gmail.com पर भिजवाने का कष्ट करें। सम्पादक मण्डल इन पर विचार करके इन्हें प्रकाशित कराने की कार्यवाही करेगा। आपसे निवेदन है कि प्रकाशनार्थ सामग्री मूल हो तथा पूर्व में कहीं प्रकाशित नहीं हुई हो।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सदस्यता समाप्ति सूचना

सदस्यता संख्या 5/1 से 5/30 तक के पांच वर्षीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया,मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
13. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
14. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
15. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

हेमचंद कुमावत NSUI जयपुर शहर जिला प्रभारी नियुक्त

NSUI राजस्थान के प्रदेश महासचिव हेमचंद कुमावत को जयपुर शहर जिला प्रभारी नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

आप अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे।

सरला कुमावत भाजपा मंडल अध्यक्ष नियुक्त

झोटवाड़ा पश्चिम से ग्राम आसलपुर-जोबनेर की सरला कुमावत भाजपा मंडल अध्यक्ष बनाई गयी है। इनकी नियुक्ति महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। हमारे समाज की महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम हैं। यह कदम महिलाओं के सशक्तिकरण और नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करने में सार्थक भूमिका अदा करेगा।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से सरला जी कुमावत को बधाई।

संक्षिप्त समाचार

किशोर कुमावत को कांस्य पदक

राजस्थान विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में हुई राजस्थान डेफ एथलेटिक्स में किशोर कुमावत ने 5000 मीटर में कांस्य पदक जीतकर कुमावत समाज को गौरवान्वित किया है। बधाई।

खुशबू कुमावत को Ph.D. की उपाधि

श्रीमती खुशबू कुमवत निवासी नाथद्वारा ने कुलपति व प्रोफेसर एस.एस. सारंग देवोत उदयपुर जनार्दन राम नागर विद्यापीठ विश्वविद्यालय के निर्देश में ''इंटेंडेड बिलीफ एण्ड एक्चुअल प्रैक्टिस इन ग्रीन कम्प्यूटिंग इन राजस्थान'' विषय में की है।

सलोनी कुमावत को Ph.D. उपाधि

आई.आई.एस. यूनिवर्सिटी द्वारा सलोनी कुमावत पुत्री श्री सूरज कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर ने ''इम्पेक्ट डिजिटल मार्केटिंग ऑन बाईंग बिहेवियर ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ वर्किंग एण्ड नॉन वर्किंग विमन इन राजस्थान'' विषय में प्रो. रुचि जैन के निर्देशन में शोध करने पर Ph.D. डिग्री प्रदान की गयी है।

डॉ. अरविंद को मिला अटल अचीवमेंट अवार्ड

टोपनोच फाउंडेशन की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन शताब्दी वर्ष समारोह के रूप में विज्ञान भवन नई दिल्ली में कार्यक्रम हुआ। इसमें डॉ. अरविंद सिंघाटिया को कानूनी सेवाएं और रणनीति प्रबंधन के क्षेत्र में वर्ष 2024 का नव परिवर्तनशील व्यक्तित्व के लिए अटल अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड केंद्रीय शहरी आवास के राज्य मंत्री तोखन साहू द्वारा अटल सम्मान समारोह में प्रदान किया गया।

डॉ. शिरीन बालोदिया पुत्री वेद प्रकाश बालोदिया निवासी हिरनोदा, फुलेरा जिला जयपुर का नीट पीजी 2024 (एम.डी.जनरल मेडिसिन) में जे.एल.एन. मेडिकल कॉलेज अजमेर में ज्योंइनिंग पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

डॉ. श्रुति बालोदिया पुत्री वेद प्रकाश बालोदिया निवासी हिरनोदा, फुलेरा का एम्स पीजी 2024 में (एम. डी. प्रसूति एवं स्त्री रोग) में एम्स जोधपुर में ज्योंइनिंग पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

डॉक्टर सुनील कुमावत का पीजी (MD-TB & Chest) RNT- मेडिकल कॉलेज, उदयपुर में चयन होने पर बधाई व उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामना।

राकेश कुमावत संभागीय अध्यक्ष नियुक्त

भारतीय राष्ट्रीय किसान महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज दुबे ने किसान नेता राकेश कुमावत को भारतीय राष्ट्रीय किसान महासभा का कोटा संभागीय अध्यक्ष नियुक्त किया है।

कनिष्ठ लेखाकार परीक्षा 2023 में सफलता प्राप्त कर राज्य सेवा में नियुक्त होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्रीमती लक्षिका कुमावत

धर्मपत्नी स्व. श्री सिद्धार्थ वर्मा (सन्नी घोड़ीवाल)

शुभेच्छु

श्वसुर-सास	:	मोहन कुमार - माया घोड़ीवाल
जेठ-जेठानी	:	कपिल -पूनम घोड़ीवाल
जेठूता-जेठूती	:	दक्ष, आरवी घोड़ीवाल
पुत्री	:	राशि
पिता-माता	:	नाथूलाल पिपलोदा-इन्द्रा वर्मा (मो. 7737984275)

फर्म : **नेशनल टेलर्स,** राजापार्क, जवाहर नगर, जयपुर

निवास : 8/198, मालवीय नगर, जयपुर-302017 मो. : 98291 69391, 7790905548

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

डॉ. सौम्या कुमावत

पुत्री श्रीमती उषा कुमावत एवं डॉ. सुरेश कुमार वर्मा

MD (Medicine) SMS, Jaipur, Principal Specialist, CHC Srimadhopur (Sikar) के जयपुर डेन्टल कॉलेज से सफलता पूर्वक

MDS (Master of Dental surgery) Prosthodontics

करने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु

दादा	:	रामपाल चेजारा (मारवाल), श्रीमाधोपुर
ताऊ-ताई	:	कृष्ण मुरारी-सुशीला
भ्राता	:	मेहुल कुमावत MBBS (Final Year)
नानी-नाना	:	लीला वर्मा-प्रभुदयाल वर्मा (मारोठिया) CTO (Retd.) 9414386403, 6375211358
मौसी -मौसाजी	:	प्रीति-Er.अमित (USA), कीर्ति-Er.मोहित (पुणे)

24,करणी कॉलोनी, पथ नं 7, सीकर रोड, जयपुर (राजस्थान)
Ph. 9414982324, 9414386403

विज्ञापन

अभिषेक के साथ श्री हनुमानजी महाराज को कराया नवीन चोला धारण

ट्रस्ट मंदिर श्री नृसिंह जी (रजि.), 637-638 (दुकान नं. 32), नमक की मण्डी, किशनपोल बाजार, चौकड़ी तोपखाना, जयपुर-302001 (राज.) के तत्वावधान में शनिवार, दिनांक 18 जनवरी 2025 को मंदिर श्री नृसिंह जी प्रांगण में स्थित हनुमानजी महाराज के अभिषेक के साथ नवीन चोला धारण कार्यक्रम हुआ, जिसमें कुमावत समाज बंधुओं तथा सनातन धर्म प्रेमियों की मौजूदगी में प्रात: 9 बजे से सायं 4 बजे तक हवन हुआ जिसमें मंत्रोच्चार के साथ आहुतियाँ दी गई तथा हनुमानजी महाराज का भक्तों द्वारा पंचामृत से अभिषेक किया गया। उसके बाद हनुमानजी महाराज को नवीन चोला धारण करवाया गया। हवन कार्यक्रम पूर्ण होने के पश्चात् सुन्दरकाण्ड का पाठ किया गया तथा आरती के पश्चात् हलवा व पकोड़ी का भोग लगाकर दोना प्रसादी वितरित की गई। जिसका सनातन धर्म प्रेमियों ने भरपूर आनन्द लिया। इस अवसर पर सर्वश्री रामगोपाल नीमिवाल, रामपाल जूनवाल, रमेश गैदर, रमेश तोंदवाल, रामप्रकाश मारवाल, दिनेश नीमिवाल, राजकुमार कण्डेरीवाल, दामोदर प्रसाद गैदर, नवरतन बारावाल, नारायण लाल सिरोहिया, शशीकान्त अनावड़िया, राजसिंह भदानिया, राजकुमार जालवाल, मनोज बाबरिया, सज्जन सिंह भदानिया, राजकुमार घोड़ीवाल, गगनराज तोंदवाल, अमृत खोरानिया, चर्चिल मण्डावरा, अमर सिंह सिरोहिया, राजेश धुंधारिया, ताराचन्द देवतवाल, विजय जालवाल, निखिल भदानिया, दिव्यांश अनावड़िया, जिम्मी, श्रीमती शीला, श्रीमती सुनीता, श्रीमती सम्पत्ति, श्रीमती किरण, श्रीमती ऋषि, श्रीमती रतन, श्रीमती राजरानी, सुश्री तारा, श्रीमती गीता, श्रीमती अनीता, श्रीमती संतोष, श्रीमती हिमाद्री, श्रीमती भगवती, श्रीमती शालू, श्रीमती मधु, श्रीमती कुसुम, सुश्री कनिष्का, सुश्री तनिष्का, सुश्री मनस्वी, माधव, सुश्री सीया, पिहू तथा अनेक सनातन धर्मप्रेमियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

गरिमा कुमावत को कला रत्न सम्मान

स्वागत जयपुर फाउंडेशन की ओर से युवा प्रतिभाओं के मनोबल को बढ़ाने के उद्देश्य से 'कला रत्न सम्मान' दिया जाता है। राजस्थान की कला संस्कृति को रोशन करने के लिए गायन के क्षेत्र में सुश्री गरिमा कुमावत को उनकी निपुणता, वर्चस्वता, विलक्षणता, साधना और सर्वांगीण सफलता को रेखांकित करते हुए 42वें गुणीजन संगीत व सम्मान समारोह में 'कला रत्न' सम्मान से सम्मानित किया गया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से गरिमा कुमावत को बधाई।

भारतीय जनता पार्टी ने **उमाशंकर कुमावत** को दूदू (पूर्व) का मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

श्रद्धांजलि

हमारे प्रिय

श्री चेतन लाल जी सिरोहिया (ठेकेदार)

हम सभी परिवारजन आपको सादर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

10.12.1940 - 21.01.2024

श्रद्धान्वत **धर्मपत्नी** : पार्वती देवी, **पुत्र-पुत्रवधू** : प्रभु नारायण-भुवनेश्वरी, बद्रीनारायण-संगीता, रूपेश-अनीता, भीमसिंह-दीप्ति (भा.कु.क्ष.म. रजि. राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री), **पुत्री-दामाद** : मीना-राकेश जी (ए.जी. ऑफिस), **पौत्र-पौत्रवधू** : नितेश-अंकिता (जयपुर परिवारिक कार्यालय), **पौत्री-दामाद** : याशु (सी.ए.)-क्षितिज जी, रिषिका-सौरभ जी **पौत्र-पौत्री** : पारूल, जैशिका, चेल्सी, मुकुल, भव्य, हनी, घनिष्ठा, **दोहित्र** : आदित्य, **पड़दोहित्री** : आही, **पड़दोहित्र** : कबीर, **पड़पोत्री** : वान्या।

प्रतिष्ठान : ऋषिका कंस्ट्रक्शन, निर्माण इंफ्रास्टक्चर एंड डेवलपर्स, सिरोहिया फुटवियर

सिरोहिया भवन, सिरोहियों की ढाणी, डिग्गी रोड, मुहाना मोड के पास, सांगानेर, जयपुर
मो. 9314424426, 9414041783, 9057373839, 9461086386

Ayush
Multispeciality Hospital

General, Surgical, Laparoscopy, Obstetrics & Gynecology

24 घण्टे इमरजेन्सी सेवा | **सोनोग्राफी प्राईवेट रूम** | **एम्बुलेन्स सेवा सर्जरी**

सुविधाएं

1. 50 बैंड वाले अत्याधुनिक विदेशी उपकरणों से सुसज्जित सभी सुविधायुक्त अस्पताल ।
2. 24 घण्टे इमरजेन्सी सेवा हेतु डॉ. निवास हॉस्पिटल में ही।
3. वातानुकुलित ऑपरेशन थिएटर
4. एम्बुलेन्स की सुविधा ।
5. NICU की सुविधा।
6. एक्स-रे, ईसीजी, सोनोग्राफी आदि जांच की सुविधा।
7. लेबोरेट्री में सभी प्रकार के खून, मल-मूत्र, थूक, वीर्य आदि की कम्प्यूटराइज्ड मशीनों द्वारा जांच की सुविधा ।
8. सर्जन, स्त्रीरोग विशेषज्ञ, यूरोलोजी, शिशु रोग विशेषज्ञ, कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ अस्थि रोग विशेषज्ञ, दन्त रोग विशेषज्ञ, जनरल फिजिशियन की सेवायें।
9. दूरबीन से नसबंदी, नि: सन्तान, दम्पतियों का इलाज, IUI, IVF, I.CS.I., डिलीवरी व सिजेरियन ऑपरेशन
10. लैप्रोस्कोपी (दूरबीन के ऑपरेशन), हर्निया, हाइड्रोसिल, अपेन्डिक्स, टीयूआरपी (प्रोस्टेट का ऑपरेशन) बवासीर, फिस्टुला का इलाज, सभी प्रकार की पथरी का इलाज व आपरेशन शरीर पर गांठों का ऑपरेशन ।
11. डिजीटल कोलपोस्कोपी (बच्चेदानी के मुँह को कैन्सर) की जाँच उपलब्ध।
12. कैशलैस सुविधा उपलब्ध ।

डॉ. अभिमन्यु सिंह नागा
MBBS, DNB-Surgery
जनरल व लैप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ. दीपिका सिंह
MBBS, DGO
स्त्री रोग विशेषज्ञ

डॉ. नीतिन नेगी
गुर्दा, मूत्र, पथरी एवं प्रोस्टेट रोग विशेषज्ञ

डॉ. दिनेश चौधरी
नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ

डॉ. रितेश शर्मा
दंत रोग रोग विशेषज्ञ

विज्ञापन

गर्भवती महिलाओं, गर्भाशय से सम्बन्धित बीमारियाँ एवं इमरजेन्सी सेवाऐं 24 घण्टे उपलब्ध
अत्याधुनिक, जनरल, मेटरनिटी (डिलीवरी) एवं सर्जीकल (ऑपरेशन) सेन्टर
चिकित्सक, मेडिकल स्टोर, लैबोरेट्री एवं इमरजेन्सी सेवाऐं 24 घण्टे उपलब्ध

फिजियोथेरेपी की सुविधा भी उपलब्ध है

Mukundpura Road, Bhankrota, Jaipur-302026
Ph.: 0141-2251712, Mob.: 7073731773

SP CONSTRUCTION

Building INDIA'S Construction

SHASHI PAL KUMAWAT

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :
1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018